शर्मा হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 229 | गुवाहाटी | सोमवार, 18 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीएए तो एक शुरुआत है, भाजपा के अगले निशाने पर अलग-अलग भाषा... पेज 2
कांग्रेस के राज में चाय जनजाति को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल ... पेज 3
इंडिया गठबंधन की कुरुक्षेत्र में धर्म और अधर्म की लड़ाई : सुशील गुप्ता पेज 5
पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय हॉकी टीम में हुआ बड़ा बदलाव, दिग्गज को ... पेज 7

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सुख और दु:ख में समान रूप से सहायक होना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

लोस चुनाव : सीएम ने चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक की अध्यक्षता की

गुवाहाटी। मिशन *अबकी बार 400 पार* को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित, असम में भाजपा युद्ध स्तर पर काम कर रही है और पार्टी नेता चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। भाजपा के लिए सही लक्ष्य तय करने के लिए सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने आज चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सीएम शर्मा ने पार्टी नेताओं को मतदाताओं तक पहुंचने और उनका विश्वास हासिल करने के बारे में जानकारी दी। इस संबंध में सीएम शर्मा ने पार्टी नेताओं से समावेशी विकास हासिल करने के लिए केंद्र के साथ-साथ राज्य सरकार के कल्याणकारी प्रयासों को उजागर करने का आग्रह किया। बैठक में सीएम के राजनीतिक सचिव और असम भाजपा की चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक पवित्र मार्घेरिटा भी मौजूद थे। पत्रकारों को जानकारी देते हुए, मार्घेरिटा ने कहा कि सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने असम की चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक की अध्यक्षता की। हमारे पास राज्य चुनाव प्रबंधन समिति की 36 शाखाएं या उप-समितियां हैं। अब हमें सीएम ने सलाह दी है कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों को लोगों तक कैसे पहुंचाया जाए। कुछ रणनीतिक चर्चाएं भी हुईं। हम आशावादी हैं कि भाजपा असम प्रदेश के सभी कार्यकर्ता विशेष रूप से राज्य ईएमसी सक्रिय, प्रोत्साहित और सशक्त हैं। हम पार्टी और असम के लोगों के लिए काम करने के लिए उत्सुक हैं। भाजपा असम में तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि उसने बरपेटा और धुबड़ी लोकसभा सीटें अगप के लिए छोड़ी हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन का एक अन्य घटक, यूपीपीएल -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्य चुनाव अधिकारी ने की लोस चुनाव के लिए कार्यक्रम की घोषणा

गुवाहाटी (हि.स.)। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा शनिवार को आम चुनाव की घोषणा के बाद पूरे देश में आचार संहिता लागू हो चुकी है। इसी बीच आज राजधानी दिसपुर में एक संवाददाता सम्मेलन में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी अनुराग गोयल ने चुनाव से संबंधित अगले कार्यक्रमों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि असम में तीन चरणों में बिल्कुल निष्पक्ष और लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव संपन्न करवाने की तैयारियां -शेष पृष्ठ दो पर

खिलंजिया (भूमिपुत्र) मुसलमानों को मुख्यमंत्री ने दिया ईद का तोहफा

धुबड़ी (हि.स.)। असम सरकार द्वारा राज्य में रहने वाले खिलंजिया (भूमिपुत्र) मुसलमानों के लिए एक बड़ा एलान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने असम के सभी भूमिपुत्र मुसलमानों मसलन गरिया-मोरिया, देशी, जुलाहा और सैय्यद को ईद का विशेष तोहफा दिया है। प्रदेश में रह रहे खिलंजिया मुसलमानों के सामाजिक-आर्थिक सर्वे के लिए जिला स्तर पर कमेटियों का गठन किया गया है। प्रत्येक जिले के जिला कलेक्टरों को अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करके सर्वेक्षण समितियों का गठन किया गया है। गरिया-मोरिया देशी परिषद की बिलासीपाड़ा जिला समिति इस जिला स्तरीय सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण समिति में बिलासीपाड़ा के एक युवा नेता की नियुक्ति को लेकर जश्न मना रही है। जिला कमेटी में शामिल किए गए बिलासीपाड़ा कस्बे के वार्ड नंबर दो निवासी सूरत जमाल अली अहमद का बोर्ड की बिलासपुर जिला कमेटी ने जोरदार स्वागत किया। जिला सर्वेक्षण समिति के सदस्य -शेष पृष्ठ दो पर

नाबालिग सहायिका से यौन उत्पीड़न के आरोप में डीएसपी गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम में एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को एक नाबालिग घरेलू सहायिका का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, डीजीपी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंग ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। सिंह ने कहा कि गोलाघाट जिले के डीएसपी लाचित बरफुकन पुलिस अकादमी में तैनात थे और उनके खिलाफ देरगांव पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने चाय बागानों में सौ स्कूल बनाने के लिए 300 करोड़ रुपए का निवेश किया

गुवाहाटी। राज्य सरकार ने 20 जिलों में कुल 300 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 100 स्कूलों के निर्माण की एक परियोजना की घोषणा की है। इन स्कूलों का लक्ष्य छात्रों को उनके चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करना है। नए स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं होंगी, जिनमें विशाल कक्षाएं, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से सुसज्जित शिक्षण स्थान और उन्नत विज्ञान प्रयोगशालाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अनुकूल शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करने के लिए व्यापक -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

ट्रंप की खुली धमकी चुनाव नहीं जीता तो खूनखराबा होगा

वॉशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खूनखराबे की धमकी दे डाली है। उन्होंने कहा है कि अगर वे 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में निर्वाचित नहीं हुए तो देश में खूनखराबा होगा। ओहियो के पास रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इसबार चुनाव की तारीख अमेरिका के इतिहास में सबसे अहम होने जा रही है। उन्होंने कहा कि 5 नवंबर की तारीख नोट कर लें। अगर वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में नहीं जीते तो अमेरिका में खूनखराबा -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : गुवाहाटी सीट पर सौ से अधिक केंद्रों की जिम्मेदारी होगी महिलाओं के पास

गुवाहाटी। निर्वाचन आयोग ने 2024 के महासमर का बिगुल फूंक दिया है। लोकसभा की सभी 543 सीटों के लिए सात चरणों में चुनाव होंगे। गुवाहाटी के रिटर्निंग ऑफिसर सुमित सत्तावन ने बताया कि आगामी आम चुनाव के दौरान गुवाहाटी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 100 से अधिक महिला मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस लोकसभा क्षेत्र में पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या ज्यादा है और आने वाले समय में यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। मालूम हो कि गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्र में 7 मई को तीसरे चरण में मतदान होगा। यहां कुल मतदान केंद्रों की संख्या 2,181 है। सुमित सत्तावन ने एक प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि इस क्षेत्र में 102 पूर्णत: महिला मतदान केंद्र बनाए जाएंगे और इन सभी बूथों का सारा स्टाफ महिलाएं ही होंगी। इसके अलावा हमारे निर्वाचन क्षेत्र में 15 मॉडल मतदान केंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य की 75 से अधिक प्रमुख हस्तियों ने कांग्रेस से बरपेटा उम्मीदवार को वापस लेने का आग्रह किया

गुवाहाटी। असम की 75 से अधिक प्रमुख हस्तियों ने कांग्रेस से आगामी लोकसभा चुनाव में बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है। इसके बजाय, उन्होंने पार्टी से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के उम्मीदवार का समर्थन करने का आग्रह किया है। यह अनुरोध शनिवार को राज्य के प्रमुख बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों और सांस्कृतिक हस्तियों द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र के माध्यम से असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा को दिया गया था, जिसकी एक प्रति एआईसीसी को भी भेजी गई थी। मीडिया के साथ साझा किया गया यह पत्र, भाजपा विरोधी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों के बीच एकता की आवश्यकता पर जोर देता है और असम के लोगों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए भाजपा और उसके सहयोगियों को अलग-थलग करने के महत्व को रेखांकित करता है। पत्र में कहा गया है कि इस महत्वपूर्ण मोड़ पर, हम आपसे अपील करते हैं कि बरपेटा संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस के उम्मीदवार को मैदान में उतारने के फैसले पर फिर से विचार करें और सीपीआई (एम) के पक्ष में अपनी पार्टी के उम्मीदवार की उम्मीदवारी वापस लें। संयुक्त विपक्षी मंच, -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल व सिक्किम विस चुनाव के नतीजे अब दो जून को आएंगे

नई दिल्ली। देश में इन दिनों चुनावी बयार चल रही है। निर्वाचन आयोग ने भी चुनावों की तारीख का एलान कर दिया है। इस बीच एक बड़ी जानकारी सामने आई है। अरुणाचल और सिक्किम विधानसभा के लिए मतगणना की तारीख बदल दी गई है। अब यहां दो जून को मतगणना होगी। निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में एक अधिसूचना भी जारी की है। इसमें आयोग ने बताया है कि दोनों राज्यों में विधानसभा की अवधि दो जून को ही समाप्त हो रही है, इस कारण यह कदम उठाया -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट निर्देश

पांच साल का रोडमैप और सौ दिन का एक्शन प्लान कैबिनेट सचिवालय को भेजें सभी मंत्री

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियां काफी तेज हो गई है। ऐसे में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं। उन्होंने रविवार को कैबिनेट मंत्रियों से नई सरकार के लिए पहले 100 दिनों और अगले पांच साल के लिए एक रोडमैप तैयार करने को कहा। आज सुबह यहां कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते हुए, प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से अपने-अपने मंत्रालयों के सचिवों और अन्य अधिकारियों से मिलकर चर्चा करने के लिए कहा कि पहले 100 दिनों और अगले पांच वर्षों के एजेंडे को बेहतर ढंग से कैसे लागू किया जा सकता है। यह बैठक चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 के कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद हुई। कैबिनेट ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चुनाव आयोग की सिफारिश भेजकर सात चरण के संसदीय चुनावों की तारीखों को अधिसूचित करने की प्रक्रिया भी शुरू की। खबरों के मुताबिक, 19 अप्रैल को 102 सीटों पर पहले चरण के मतदान के लिए पहली अधिसूचना 20 मार्च को जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होने के साथ ही किसी विशेष चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाती है। -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में देश का पहला ऑयल पाम प्रोसेसिंग संयंत्र शुरू

रोइंग। मिशन पाम ऑयल के तहत अरुणाचल प्रदेश में देश का पहला ऑयल पाम प्रोसेसिंग संयंत्र शुरू हो गया है। देश की बड़ी ऑयल पाम कंपनियों में से एक 3एफ ऑयल पाम ने इसकी स्थापना की है। यह संयंत्र अरुणाचल प्रदेश की दिबांग घाटी में रोइंग में स्थापित किया गया है। खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह एक अत्याधुनिक ऑयल पाम संयंत्र है। इसमें पाम ऑयल प्रोसेसिंग और रिफाइनिंग दोनों की सुविधा उपलब्ध है। यह एक शून्य अपशिष्ट संयंत्र है। इसके -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव आयोग ने जारी किया इलेक्टोरल बॉण्ड से जुड़ा नया डेटा

नई दिल्ली। अब रद्द हो चुके चुनावी बॉण्ड के शीर्ष खरीदार *फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज* ने इसके माध्यम से तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके को 509 करोड़ रुपयों का दान दिया। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों से रविवार को यह जानकारी सामने आई। भाजपा को 2018 में चुनावी बॉण्ड योजना के लागू होने के बाद से इनके (बॉण्ड के) माध्यम से सबसे अधिक 6,986.5 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त हुई, इसके बाद पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (1,397 करोड़ रुपए), कांग्रेस (1,334 करोड़ रुपए) और बीआरएस (1,322 करोड़ रुपए) का स्थान रहा। आंकड़ों के मुताबिक, ओडिशा की सत्तारूढ़ पार्टी बीजद को 944.5 करोड़ रुपए मिले। इसके बाद डीएमके ने 656.5 करोड़ रुपए और आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टी वाईएसआर कांग्रेस ने लगभग 442.8 करोड़ रुपए के बॉण्ड भुनाए। जद (एस) को 89.75 करोड़ रुपए के बॉण्ड मिले, जिसमें चुनावी बॉण्ड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार मेघा -शेष पृष्ठ दो पर

अल्पसंख्यक की अवधारणा पर होना चाहिए पुनर्विचार : संघ

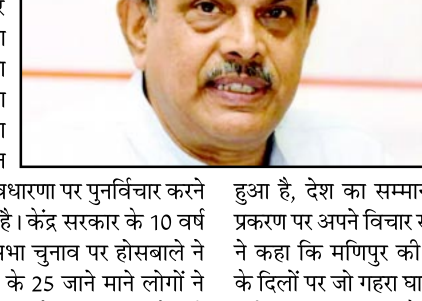

नागपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि देश में प्रचलित अल्पसंख्यक की अवधारणा पर पुनर्विचार होना चाहिए। संघ के लिए भारत में रहने वाले सभी एकसमान हैं। नागपुर स्थित रेशिमबाग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के अंतिम दिन रविवार को दत्तात्रेय होसबाले लगातार दूसरी बार तीन वर्ष के लिए सरकार्यवाह के पद पर चुने गए। सरकार्यवाह होसबाले ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि देश में हिंदू कोड बिल के तहत ना आने वाले ईसाई और मुस्लिम समुदाय को अल्पसंख्यक कहा जाता है लेकिन इस देश में रहनेवाले और इसे अपना मानने वाले सभी को संघ हिंदू ही समझता है। बतौर होसबाले अल्पसंख्यक शब्द की अवधारणा पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। देश में अल्पसंख्यक का मतलब है ईसाई या मुस्लिम होना, लेकिन अल्पसंख्यक की अवधारणा पर पुनर्विचार करने की भी आवश्यकता है। केंद्र सरकार के 10 वर्ष तथा आगामी लोकसभा चुनाव पर होसबाले ने कहा कि पूरी दुनिया के 25 जाने माने लोगों ने बीते 10 वर्षों में भारत में हुए बदलाओं की सराहना की है। आनेवाले चुनावों में जनता भी वोटों के जरिए सरकार के काम की समीक्षा करेगी। बतौर होसबाले संघ को भी लगता है कि पिछले 10 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों मे बेहतर काम हुआ है, देश का सम्मान भी बढ़ा है। मणिपुर प्रकरण पर अपने विचार साझा करते हुए होसबाले ने कहा कि मणिपुर की हिंसा के दौरान लोगों के दिलों पर जो गहरा घाव हुआ है वह अचनाक नहीं जाएगा। मणिपुर के मैतेई और कुकी दोनों समुदायों में संघ के स्वयंसेवक हैं। बीते एक वर्ष में संघ ने दोनों समुदायों के प्रमुख लोगों से बात कर राज्य में शांति बनाए रखने के लिए प्रयास किए हैं। हिंसा के चलते लोगों के मन में पनपी कटुता कम होने में थोड़ा समय लगेगा। समान नागरिक संहिता को लेकर सरकार्यवाह ने कहा कि उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने पर संघ ने राज्य सरकार की सराहना की थी। संघ हमेशा पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का पक्षधर रहा है। इस अवसर पर होसबाले ने संदेशखाली की घटना की निंदा की। वहीं पंजाब में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले अमृतपाल जैसे तत्वों से देश को बचाने के आह्वान किया। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

सीएए तो एक शुरुआत है, भाजपा के अगले निशाने पर अलग-अलग भाषा बोलने वाले लोग होंगे : स्टालिन

तमिलनाडु। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को कहा कि उनका मानना है कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम केवल एक शुरूआत है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भविष्य में *प्रत्येक राज्य में अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले* लोगों को निशाना बनाने के लिए कानून लाएगी। वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के *इंडिया शाइनिंग* अभियान का उल्लेख करते हुए स्टालिन ने कहा कि उस समय के सर्वेक्षणों में भी भाजपा के पक्ष में लहर का अनुमान जताया गया था। चेन्नई के अंग्रेजी दैनिक डीटी नेक्स्ट (17 मार्च) के साथ एक साक्षात्कार में जब मुख्यमंत्री स्टालिन से हिंदी पट्टी में विपक्षी गठबंधन *इंडिया* की चुनावी संभावनाओं के बारे में पूछा गया, तो इस पर उन्होंने कहा कि हालांकि, चुनाव नतीजे संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के पक्ष में रहे और अगले 10 साल तक उसकी सरकार रही। 2024 के चुनाव के नतीजे 2004 को दोहराएंगे। इतिहास खुद को दोहराएगा। केंद्र द्वारा नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत नियमों को अधिसूचित किए जाने के बारे में पूछे जाने पर स्टालिन ने कहा कि सीएए भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का एक हिस्सा है और यह अभी केवल अल्पसंख्यकों के खिलाफ प्रतीत हो सकता है, लेकिन भविष्य में, भाजपा प्रत्येक राज्य में अलग-अलग भाषा बोलने वाले लोगों को निशाना बनाते हुए नए कानून लाएगी। सीएए केवल इसकी शुरुआत है। यह पूछे जाने पर कि क्या द्रमुक ने चुनावी बॉण्ड के मुद्दे पर अपना लाभ गंवा दिया है, क्योंकि पार्टी भी अब समाप्त हो चुकी योजना के लाभार्थियों में से एक है और भाजपा *आलोचना से ध्यान हटाने* के लिए इसका हवाला दे रही है, तो स्टालिन ने कहा कि द्रमुक और अन्य पार्टियों पर आरोप लगा रही भाजपा की साख और उसने चुनावी धन जुटाने के लिए किस पर दबाव डाला, इसकी जांच करने की जरूरत है। भाजपा रंगे हाथों पकड़ी गई है। द्रमुक अपने पहले चुनाव (1957) का सामना करने के समय से ही चुनावी धन जुटा रही है।

संघ में पांच की बजाय अब छह सह सरकार्यवाह बनाए गए

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में सांगठनिक कार्य विस्तार में और तेजी लाने के उद्देश्य से पांच के बजाय इस बार छह सह सरकार्यवाह बनाए हैं। महाराष्ट्र के नागपुर में तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के अंतिम दिन रविवार को यह निर्णय लिया गया। संघ के प्रचार विभाग के मुताबिक दत्तात्रेय होसबाले लगातार दूसरी बार अगले तीन वर्षों के लिए सरकार्यवाह के पद पर चुने गए हैं। इसी के साथ उन्होंने अपने सहयोगी के तौर पर नई अखिल भारतीय कार्यकारिणी में इस बार छह सह सरकार्यवाह नियुक्त किए हैं। निवर्तमान कार्यकारिणी में पांच सह सरकार्यवाह थे, जिसमें से चार को नई कार्यकारिणी में भी बरकरार रखा गया है। इसी के साथ दो नए सह सरकार्यवाह नियुक्त किए गए हैं। जिन दो नए पदाधिकारियों को सह सरकार्यवाह का दायित्व सौंपा गया है उनमें अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख आलोक कुमार और पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक अतुल लिमये शामिल हैं। बाकी चार सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, मुकुंद, अरुण कुमार और रामदत्त चक्रधर पिछली कार्यकारिणी में भी थे।

ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों का चौंकाने वाला दावा

प्राकृतिक नहीं कोविड वायरस लैब से फैली महामारी

नई दिल्ली। दुनियाभर में 70 लाख से ज्यादा लोगों की जान लेने वाले कोविड वायरस को लेकर ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा कि वायरस प्राकृतिक नहीं है। एक विशेष उपकरण से वैज्ञानिकों ने पाया कि कोविड वायरस के लैब रिसाव की वजह से दुनिया में फैलने की आशंका 50 फीसदी है। मूल रूप से प्राकृतिक महामारी और जानबूझकर किए गए जैविक हमलों के बीच अंतर करने के लिए डिजाइन किए गए ग्रुनो-फिन्के टूल (एमजीएफटी) को संशोधित कर वैज्ञानिकों ने कोविड वायरस का विश्लेषण किया। एमजीएफटी को छोटे स्तर के प्रकोपों के लिए तैयार किया गया, जिसे न्यू साउथ वेल्स व जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी ने संशोधित किया। वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी में चल रहे बैट वायरस अनुसंधान के जैविक जोखिम, असामान्य तनाव और महामारी की तीव्रता और गतिशीलता जैसे कारकों को 3, 3 और 2 अंक मिले, जबकि नैदानिक लक्षणों को 2 अंक मिले। स्कोर की गणना करने के लिए प्रत्येक मानदंड को एक भार कारक (1-3) से गुणा किया गया था। इसके आधार पर 50 फीसदी ज्यादा अंतिम स्कोर आया, जो बताता है कि वायरस की उत्पत्ति प्राकृतिक नहीं थी। इस टूल को पहली बार कोविड महामारी के संदर्भ में इस्तेमाल किए जाने को लेकर शोधकर्ताओं ने कहा कि इन नतीजों का दूसरे तरीकों से परीक्षण किया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने सिफारिश करते हुए कहा कि एमजीएफटी एक जोखिम विश्लेषण ढांचा प्रदान करता है।

जोरहाट एलएस के रिटर्निंग अधिकारी ने मतदान बढ़ाने का किया आह्वान

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी पुलक महंत ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने का आग्रह किया है। 14 नंबर जोरहाट लोकसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर और जोरहाट जिला आयुक्त पुलक महंत ने लोकसभा चुनाव के विभिन्न पहलुओं के बारे में मीडिया के माध्यम से जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए आज एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया। इस बार जोरहाट लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत मतदाताओं की कुल संख्या 17, 18, 272 है। इनमें से 8, 46, 754 पुरुष मतदाता और 8, 71, 516 महिला मतदाता हैं। यहां दो थर्ड जेंडर मतदाता हैं। 80 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की संख्या 17, 178 है। वहीं 100 साल से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 115 है। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 12, 265 है। 18-19 वर्ष के आयु वर्ग में 29, 462 युवा मतदाता हैं।

काजीरंगा में मिला गैंडे का शव

काजीरंगा (हिंस)। राष्ट्रीय उद्यान काजीरंगा के गाइटापू में गैंडे का शव मिला है। असम का गौरव एक सींग वाले गैंडे का शव काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में शामिल किए गए छठे क्षेत्र गाइटापू में पाया गया है। गाइटापू वन शिविर के कार्मचारियों ने नदी के किनारे गैंडे को देखा। वन विभाग ने कहा कि अधिक उम्र के कारण गैंडे की मौत हुई होगी। सूचना मिलते ही गामिरी वन रेंज के रेंजर मौके पर पहुंचकर गैंडे की सींग को बरामद कर पशु चिकित्सकों की मदद से गैंडे के शव का पोस्टमार्टम कराया।

महादेव सट्टा ऐप : पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रायपुर (हि.स.)। लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। महादेव सट्टा ऐप केस में आर्थिक अपराध शाखा और एसीबी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, ऐप प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल समेत कई अज्ञात पुलिस अफसर और कारोबारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह एफआईआर महादेव बेटिंग ऐप के मालिकों से 508 करोड़ रुपए प्रोटेक्शन मनी लेने के मामले में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत दर्ज की गई है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने बघेल को राजनांदगांव से लोकसभा का उम्मीदवार बनाया है। जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू और एसीबी ने एफआईआर ईडी द्वारा कोर्ट में पेश की गई चार्जशीट के आधार पर दर्ज की है। यह एफआईआर 4 मार्च को दर्ज की गई थी, लेकिन इसका खुलासा अब हुआ है। ईडी ने अपनी चार्जशीट में दावा किया है कि भूपेश बघेल और उनके सरकार के कई मंत्रियों और प्रशासनिक अधिकारियों को महादेव बेटिंग ऐप ने करोड़ों रुपए प्रोटेक्शन मनी दी है। ईडी ने चंद्राकर और उप्पल के करीबी असीम दास को तीन नवंबर को रायपुर के एक होटल की पार्किंग से गिरफ्तार किया था। इस दौरान असीम दास की गाड़ी और घर से पौने तीन करोड़ रुपए बरामद किए थे। असीम ने बयान में कहा था कि वो ये पैसे किसी भूपेश बघेल को देने आया था। इसी दौरान असीम ने यह राजफाश किया था कि वो अबतक 508 करोड़ रुपए भूपेश बघेल को पहुंचा चुका है। इसी आधार पर भूपेश बघेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

कछार में सड़क हादसा, तीन की मौत

कछार (हिंस)। कछार जिले के नरसिंहपुर में रविवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल भी हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार एक ट्रक और एक यात्री सूमो वाहन के बीच आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए। हादसा सिलचर- एजल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर नरसिंहपुर में हुआ। मिजोरम की ओर से आ रहे एक यात्री सूमो वाहन की एक अन्य वाहन को ओवरटेक करते समय विपरीत दिशा में आ रहे ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं।

अरुणाचल की दो सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं देगी एनपीपी

शिलांग (हिंस)। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने अरुणाचल प्रदेश की दो लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े नहीं करने की घोषणा की है। एनपीपी के अध्यक्ष तथा मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि एनडीए गठबंधन के तहत उनकी पार्टी शुरू से ही रही है। अरुणाचल प्रदेश की दोनों ही सीटों पर उनकी पार्टी एनडीए उम्मीदवारों का समर्थन करेगी। कोनराड संगमा के इस निर्णय पर खुशी जाहिर करते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा ने इसका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि एनडीए उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए एनपीपी अध्यक्ष द्वारा लिया गया यह निर्णय स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि एनडीए के घटक दलों के बीच आपसी समन्वय है। यह समन्वय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 400 से अधिक सीटें जीताकर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

समुद्री डाकुओं के खिलाफ भारतीय नौसेना को फिर मिली बड़ी कामयाबी

नई दिल्ली (हि.स.)। समुद्री डाकुओं के खिलाफ भारतीय नौसेना को एकबार फिर बड़ी कामयाबी मिली है। भारतीय युद्धक जहाज आईएनएस कोलकाता, अरब सागर में एक अपहृत जहाज में सवार सभी 35 समुद्री डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया। भारतीय नौसेना का यह अभियान तकरीबन 40 घंटे चला। भारतीय नौसेना की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इससे ऑपरेशन से संबंधित जानकारी साझा की गई है। जिसमें बताया गया है कि आईएनएस कोलकाता ने भारतीय तट से करीब 2600 किमी दूर समुद्री लुटेरों के जहाज रुएन को घेरा था। अभियान में आईएनएस सुभद्रा और समुद्री गश्ती विमान के साथ सी17 एयरक्रॉफ्ट से भारतीय नौसेना के मार्कोस कमांडो को इस जहाज पर उतारा गया। इस साझा प्रयास से समुद्री डाकुओं के जहाज को रोकने में कामयाबी मिली। लुटेरों को तुरंत सरेंडर करने और बंधकों को छोड़ने के लिए कहा गया। 40 घंटे चले ऑपरेशन में अपहृत जहाज एमवी रुएन से चालक दल के 17 सदस्यों को सकुशल बचा लिया गया। सभी समुद्री डाकू सोमालिया के रहने वाले हैं और समुद्र में अपहरण को अंजाम देने के लिए 14 दिसंबर को इन समुद्री लुटेरों ने एमवी रुएन जहाज का अपहरण कर लिया था। भारतीय नौसेना के युद्धपोत ने 15 मार्च को इसका पीछा किया और इस दौरान अपहृत जहाज से गोलीबारी की गई। भारतीय युद्धपोत ने भी अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक जवाबी कार्रवाई की। इससे पहले भी भारतीय नौसेना ने समुद्री सुरक्षा के मामले में लगातार अपनी बेहतरीन क्षमता का प्रदर्शन करते हुए कई कामयाबी हासिल कर चुकी है। इस महीने की शुरुआत में सोमालिया के पूर्वी तट पर 11 ईरानी और 8 पाकिस्तानी नागरिकों के चालक दल वाले जहाज पर डकैती के प्रयास को विफल कर दिया था। जबकि जनवरी में भारतीय युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा ने सोमालिया के पूर्वी तट पर समुद्री डाकुओं द्वारा हमला किए जाने के बाद ईरानी ध्वज वाले जहाज के 19 पाकिस्तानी चालक दल को बचाया था। नौसेना ने 05 जनवरी को उत्तरी अरब सागर में लाइबेरिया के झंडे वाले जहाज एमवी लीला नोरफोक के अपहरण के प्रयास को विफल कर दिया था।

पृष्ठ एक का शेष

लोस चुनाव : सीएम...

कोकराझाड़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहा है। मालूम हो कि 14 मार्च को, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि भाजपा और उसके सहयोगी - अगप और यूपीपीएल असम में 14 लोकसभा सीटों में से 13 जीतेंगे। 2019 में, भाजपा ने 10 में से 9 सीटें जीती थीं, जबकि कोकराझाड़, बरपेटा, धुबड़ी और कलियाबोर से चुनाव लड़ रहे उसके सहयोगियों को एक भी सीट नहीं मिली थी।

मुख्य चुनाव अधिकारी...

शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव का पहला चरण 19 अप्रैल को निर्धारित है। इसके लिए चुनाव की आधिकारिक अधिसूचना 20 मार्च को जारी होगी। इस चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 27 मार्च होगी। नामांकन पत्रों की जांच 28 मार्च से शुरू होगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 30 मार्च होगी। दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को होगा। इसके लिए 28 मार्च को अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके लिए 04 अप्रैल को नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि है। 05 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 08 अप्रैल को है। असम में चुनाव का तीसरा और अंतिम चरण 07 मई को है। इस चरण के लिए अधिसूचना की तारीख 12 अप्रैल है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 19 अप्रैल है। नामांकन पत्रों की जांच 20 अप्रैल को होगी और नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 22 अप्रैल है। अनुराग गोयल ने बताया कि असम की चुनावी प्रक्रिया की विशालता के कारण महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और साजो-सामान संबंधी तैयारियां शुरू की गई है। असम के कुल 28,650 मतदान केंद्रों पर मतदान की सुविधा तैयार की जा रही है। असम में चुनावी प्रक्रिया 04 जून को मतगणना के साथ ही समाप्त हो जाएगी। मुख्य चुनाव अधिकारी गोयल ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की हर तरह से व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए मतदान अधिकारियों की ट्रेनिंग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्था इसी बीच की जाएगी। उन्होंने राज्य की जनता से आह्वान किया कि वह शांतिपूर्ण तरीके से लोकतंत्र के इस महापर्व के भागीदार बने।

खिलंजिया (भूमिपुत्र) मुसलमानों ...

अहमद को परिषद की जिला समिति द्वारा बंगालीपाड़ा स्थित परिषद के जिला कार्यालय में देसी कवज और जापी से साथ सम्मानित किया गया। खिलंजिया मुसलमानों ने सदस्य से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि खिलंजिया मुसलमानों का सर्वेक्षण जल्द ही और सुचारू रूप से किया जाए। इसके लिए खिलंजिया मुसलमानों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है।

नाबालिग सहायिका से ...

एलबीपीए देरगांव में तैनात एक डीएसपी द्वारा नौकरानी के प्रति यौन दुर्व्यवहार के आरोपों का संदर्भ - आईपीसी की धारा 376, 506 और पॉस्को अधिनियम की धारा 6 के तहत मामला संख्या 42 देरगांव पीएस, जिला गोलाघाट में दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के दौरान सामने आए सबूतों के आधार पर डीएसपी को गिरफ्तार किया गया। सिंह ने कहा कि पुलिस कर्मियों के बीच यौन दुर्व्यवहार के प्रति शून्य सहिष्णुता असम पुलिस मुख्यालय की नीति की आधारशिला बनी हुई है।

राज्य सरकार ने चाय...

पुस्तकालय, सामान्य क्षेत्र और सुरक्षित पेयजल तक पहुंच प्रदान की जाएगी। लैंगिक समानता के महत्व को समझते हुए प्रत्येक स्कूल में लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालय की सुविधा शामिल की जाएगी। आरामदायक और सौंदर्यपूर्ण रूप से मनभावन शैक्षिक स्थान बनाने के लिए साज-सज्जा और भू-भाग वाले आंगन भी व्यापक योजना का हिस्सा हैं। इन स्कूलों के निर्माण से समुदायों के छात्रों को अपनी शैक्षणिक और करियर संबंधी आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक संसाधन और सहायता मिलेगी।

लोस चुनाव : गुवाहाटी ...

भी बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारे पास 20,19,444 मतदाता हैं, जिसमें से 9,93,268 पुरुष और 10,26,118 महिलाएं शामिल हैं। वहीं, इस क्षेत्र में ट्रांसजेंडरों की संख्या 58 है। उन्होंने बताया कि नए मतदाता आवेदनों के कारण आंकड़े बढ़ने की भी संभावना है। लोकसभा की सभी 543 सीटों के लिए सात चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को, दूसरे चरण का 26 अप्रैल को, तीसरे चरण का सात मई को, चौथे चरण का 13 मई को, पांचवें चरण का 20 मई को, छठवें चरण का 25 मई को और सातवें चरण का मतदान एक जून का होगा, जबकि नतीजे चार जून को आएंगे। चुनाव में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों या बाहुबलियों से निपटने के लिए सभी जिलों के डीएम और एसपी को सख्त निर्देश दिए गए है। साथ ही प्रत्येक जिले में इस पर नजर रखने के लिए एक कंट्रोल रूम में स्थापित करने के लिए भी कहा गया है, जो 24 घंटे ऐसी सभी गतिविधियों पर नजर रखेंगे।

राज्य की 75 से ...

असम, जिसके कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों सदस्य हैं, का गठन भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन को हराने के उद्देश्य से किया गया था। हालांकि, सत्तारूढ़ सहयोगियों के खिलाफ संयुक्त उम्मीदवार उतारने के शुरुआती संकेतों के बावजूद, बरपेटा सहित विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्षी सदस्यों के एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने के उदाहरण सामने आए हैं। जबकि कांग्रेस ने बरपेटा से राज्य सेवा दल प्रमुख दीप बयान को अपना उम्मीदवार बनाया है, वहीं सीपीआई (एम) ने इस सीट के लिए राज्य विधानसभा में अपने एकमात्र विधायक मनोरंजन तालुकदार को नामित किया है। सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवार असम गण परिषद (अगप) से फणी भूषण तालुकदार हैं। निवर्तमान सदन में कांग्रेस के अब्दुल खालिक मौजूदा सांसद हैं, लेकिन टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ दी। हस्ताक्षरकर्ताओं में हिरेन गोहेन, उदयादित्य भराली, चंद्र मोहन शर्मा और अन्य जैसे उल्लेखनीय व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने आगामी चुनावों में भाजपा को प्रभावी ढंग से चुनौती देने के लिए विपक्षी दलों के बीच एकता और सहयोग की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया।

अरुणाचल व सिक्किम...

गया है। गौरतलब है कि इससे पहले चुनाव आयोग ने 16 मार्च को लोकसभा चुनावों के साथ ही चार राज्यों में विधानसभा के चुनावों का एलान किया था। आयोग ने बताया था कि अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और आंध्र प्रदेश में एक चरण में मतदान होंगे, जबकि ओडिशा में विधानसभा चुनाव चार चरणों में होगा। अब निर्वाचन आयोग ने सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों के मतगणना की तारीखों में बदलाव किया है। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए नोटिफिकेशन 20 मार्च 2024 को जारी होगा। नामांकन की आखिरी तारीख 27 मार्च 2024 होगी। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 30 मार्च 2024 होगी और 19 अप्रैल 2024 को मतदान होगा। 2 जून 2024 को वोटों की गिनती की जाएगी। अरुणाचल प्रदेश की 60 सीटों पर एक ही चरण में चुनाव होगा। गौरतलब है कि पहले आयोग ने राज्य विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना की तारीख चार जून तय की थी। सिक्किम विधानसभा के लिए एक चरण में ही सभी 32 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। सिक्किम चुनाव के लिए नोटिफिकेशन की तारीख 20 मार्च 2024 है। नामांकन की आखिरी तारीख 27 मार्च 2024, नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 30 मार्च 2024 और मतदान की तारीख 19 अप्रैल 2024 है। अब यहां भी 2 जून 2024 को मतगणना होगी। 2019 के विधानसभा चुनाव के परिणामों पर नजर डाली जाए तो पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों में से भाजपा को 41, जेडीयू को 7, एनपीईपी को 5, कांग्रेस को 4, निर्दलीय को 2 और अन्य को 1 सीट मिली थी। वर्तमान में सूबे में भाजपा की सरकार है। पेमा खांडू अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। पेमा खांडू राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री दोरजी खांडू के बेटे हैं। जो कांग्रेस पार्टी से थे। दोराजी का 30 अप्रैल, 2011 को एक हवाई हादसे में निधन हो गया था। 2019 के विधानसभा चुनावों पर नजर डाली जाए तो सिक्किम की 32 विधानसभा सीटों में से सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा को 17 और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को 15 सीटें मिली थी। वर्तमान में प्रेम सिंह तमांग सिक्किम के मुख्यमंत्री हैं।

पांच साल का...

चुनाव आयोग ने 16 मार्च को चुनावी तारीखों का एलान करते हुए कहा कि 18वीं लोकसभा चुनाव का आयोजन 7 चरणों में किया जाएगा। पहले चरण का चुनाव 19 अप्रैल को होगा और 1 जून को आखिरी चरण का चुनाव आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही, 4 जून को मतगणना की जाएगी।

अरुणाचल में देश ...

लिए यहां अपशिष्ट आधारित बिजली संयंत्र भी बनाया गया है। यह अरुणाचल प्रदेश का भी पहला ऑयल पाम संयंत्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ मार्च को वर्चुअली संयंत्र का उद्घाटन करते हुए इसे परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत का प्रतीक बताया था। 3एफ ऑयल पाम के सीईओ संजय गोयनका का कहना है कि खाद्य तेलों की बढ़ती मांग को देखते हुए पाम ऑयल देश की खाद्य सुरक्षा के लिए काफी महत्वपूर्ण हो गया है।

चुनाव आयोग ने ...

इंजीनियरिंग से 50 करोड़ रुपए भी शामिल हैं। *लॉटरी किंग* सेंटियागो मार्टिन का फ्यूचर गेमिंग 1,368 करोड़ रुपयों के साथ चुनावी बॉण्ड का सबसे बड़ा खरीदार था, जिसमें से लगभग 37 प्रतिशत डीएमके को गया। डीएमके के अन्य प्रमुख दानदाताओं में मेघा इंजीनियरिंग 105 करोड़ रुपए, इंडिया सीमेंट्स 14 करोड़ रुपए और सन टीवी 100 करोड़ रुपए शामिल हैं। तृणमूल कांग्रेस को चुनावी बॉण्ड के माध्यम से 1,397 करोड़ रुपए मिले और वह भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी प्राप्तकर्ता है। डीएमके दानदाताओं की पहचान का खुलासा करने वाले कुछ राजनीतिक दलों में से एक है, जबकि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल और आप जैसे प्रमुख दलों ने निर्वाचन आयोग को इन विवरणों का खुलासा नहीं किया था। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर निर्वाचन आयोग ने चुनावी बॉण्ड से जुड़ी जानकारी अब सार्वजनिक कर दी है। तेदेपा ने 181.35 करोड़ रुपए, शिवसेना ने 60.4 करोड़ रुपए, राजद ने 56 करोड़ रुपए, समाजवादी पार्टी ने चुनावी बॉण्ड के जरिए 14.05 करोड़ रुपए प्राप्त किए। आंकड़ों में कहा गया कि अकाली दल ने 7.26 करोड़ रुपए, एआईडीएमके ने 6.05 करोड़ रुपए, नेशनल कांफ्रेंस ने 50 लाख रुपए के बॉण्ड भुनाए। माकपा ने घोषणा की थी कि वह चुनावी बॉण्ड के माध्यम से धन प्राप्त नहीं करेगी, जबकि एआईएमआईएम और बसपा ने कोई रकम प्राप्त नहीं करने की जानकारी दी है।

अल्पसंख्यक की अवधारणा ...

किसान आंदोलन में घुसपैठ करनेवाले देश विरोधी ताकतों से सतर्क रहने का भी आह्वान किया। महिला सम्मान के बारे में अपनी राय रखते हुए होसबाले ने कहा कि महिलाओं को देवी और दासी केवल इन्हीं नजरों से देखना सर्वथा अनुचित है। महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। ऐसी कार्यकुशल महिलाओं के पीछे संघ हमेशा से खड़ा रहा है और भविष्य में भी खड़ा रहेगा। इस अवसर पर संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर और सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र कुमार मौजूद रहे।

ट्रंप की खुली ...

होने वाला है। हालात पिछली बार से भी गंभीर हो सकते हैं। देश को मेरी जरूरत है। अगर मैं नहीं जीता तो ब्लडबाथ होगा। उल्लेखनीय है कि ट्रंप पर 06 जनवरी 2021 को हुए कैपिटल हिल हिंसा मामले में केस चल रहा है। ट्रंप कुछ घंटों के लिए जेल की सलाखों के पीछे जा चुके हैं। फिलहाल जमानत पर हैं। दरअसल, ट्रंप साल 2020 का राष्ट्रपति चुनाव डेमोक्रेट नेता जो बाइडन से हार गए थे। उन पर नतीजों को पलटने की साजिश रचने का आरोप लगा। ऐसे में उनकी ताजा धमकी से सवाल उठ रहे हैं।

तापमान

अधिकतम 34^0 | न्यूनतम 14^0

मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान एक 5.56 मिमी यूएस निर्मित एम-4 असॉल्ट राइफल, एक स्थानीय निर्मित इंप्रोवाइज्ड प्रोजेक्टाइल लांचर कांगपोकपी जिले से बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

कांग्रेस के राज में चाय जनजाति को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया गया : कामाख्या तासा

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यसभा सदस्य तथा काजीरंगा सीट से भाजपा प्रत्याशी कामाख्या प्रसाद तासा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के शासनकाल में चाय जनजाति के लोगों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में उपयोग किया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने जाति-धर्म की राजनीति की। चाय जनजाति के लोगों की समस्या का समाधान करने के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई। सांसद तासा आज एक चुनावी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा भाजपा के शासनकाल में चाय जनजाति के लोगों भूमि अधिकार, राशन कार्ड, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि की समस्या का काफी हद तक समाधान किया

गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा स्वयं समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद अगले 5 साल में चाय जनजाति के लोगों के शेष बची हुई समस्याओं का भी काफी हद तक समाधान हो सकेगा। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव के मौके पर आकर लोगों में रुपए बनते थे। चाय जन जाति के लोगों का वोट चुनाव के मौके पर कुछ रुपए देकर ले लिया जाता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता की हाय लगी है। इस दौरान सांसद ने पत्रकारों के कई अन्य प्रश्नों के भी उत्तर दिए।

चुनाव की निगरानी के लिए 25 फ्लाइंग स्क्वॉड गठित : डीसी

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप मेट्रो के जिला चुनाव अधिकारी और जिला आयुक्त सुमित सत्तावन ने कहा है कि गुवाहाटी में आसन्न चुनावों की निगरानी के लिए 25 फ्लाइंग स्क्वॉड गठित की गई है। वे आज राजधानी के लीचू बागान स्थित जिला आयुक्त कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। चुनाव अधिकारी ने बताया कि चुनाव आयोग ने मतपत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर में एक स्ट्रांग रूम स्थापित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्र के लिए 1,

026 मतदान केंद्र नामित किए गए हैं। सुमित सत्तावन ने कहा है व्यापक निगरानी के लिए तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार अपना नामांकन जिला आयुक्त के कक्ष में जमा कर सकते हैं। जमा करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल निर्धारित की गई है। इसके बाद, नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल है। सत्तावन ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया 20 मार्च को अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू होगी। यहां से कार्रवाई की आधिकारिक शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकृत 20, 19, 444 मतदाता हैं। उम्मीदवारों की सुविधा के लिए *सुविधा* नामक एक ऐप लांच किया गया है। चुनाव संबंधी किसी भी समस्या के समाधान के लिए वोटर 1950 नंबर पर शिकायत दज करा सकते हैं। संवाददाता सम्मेलन के दौरान उन्होंने चुनाव की तैयारी से संबंधित विस्तृत जानकारी दी।

असम सरकार ने 10 उद्योगपतियों को दिए अनुदान

गुवाहाटी (हिंस)। असम में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज 10 स्टार्टअप (कंपनियों) को असम सरकार द्वारा अनुदान दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा ने अनुदान वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग को बढ़ावा देने के लिए तथा अन्य निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से यह अनुदान वितरण आज से शुरू कर दिया गया। इस योजना के तहत, कुल 10 स्टार्टअप को या तो अपने नए उद्योग शुरू करने या अपने मौजूदा व्यवसायों को बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता दी गई। इसके तहत 10 करोड़ रुपए स्प्रेंगल फूड टेक्नोलॉजीज को, 27 लाख 08 हजार 500 रुपए इनोटेक एग्रोपोस्टिकम को, 22 लाख 63 हजार रुपए रोंगनिदान टेक्नोलॉजीज को, 15 लाख 28 हजार 100 रुपए स्पाइसेनाचुरा फूडटेक को तथा पांच-पांच लाख रुपए फुलोनी, क्यूओपीटीएआरएस, एनई हाइजीन सॉल्यूशंस, बिकोजी इकोटेक, पीडीओसी इंफोसर्विसेज ओपीसी और सेलाबक्स सिस्टम्स को असम सरकार द्वारा अनुदान स्वरूप दिए गए।

प्रथम वाहिनी एसएसबी ने कलाकेंद्र का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर में सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर के द्वारा आज डिमोरिया ब्लॉक के तहत जालुकबारी गांव के ग्रामीणों को पांच लाख रुपए की लागत से बहुप्रतीक्षित कलाकेंद्र सह सामुदायिक हॉल का उद्घाटन कर ग्रामीणों के सुपुर्द किया गया। कलाकेंद्र का निर्माण पूर्वोत्तर में सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत बीते 06 दिसंबर, 2023 को शुरू हुआ और 27 फरवरी तक यह पूरी तरह से तैयार हो गया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत रिबन काटने की रस्म के साथ हुई। एसएसबी की प्रथम वाहिनी के कमांडेंट सुनील कौशिक ने ग्राम प्रधान के साथ संयुक्त रूप से केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सुनील कौशिक ने ग्रामीणों को सहयोग और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने ग्रामीणों से लंबे समय तक आपसी भाई-चारा के बंधन को बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी अनुज कुमार, उप कमांडेंट अतुल कुमार जोशी, ग्राम प्रधान धीरेन डोलोई, अध्यक्ष मलिका डोलोई, जालुकबारी महिला समिति, प्रथम बीएन एसएसबी के यूनिट कर्मी और ग्रामीण भी उपस्थित थे।

यात्रियों की सुविधा के लिए चलेगी एक जोड़ी और होली स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन संख्या 01666/01665 (रानी कमलापति- अगरतला- रानी कमलापति) की सेवाओं को प्रत्येक दिशाओं से 26 ट्रिपों के लिए जारी रखने का निर्णय लिया गया है। त्योहारी मौसम के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए प्रत्येक दिशाओं से एक ट्रिप के लिए (आनंद विहार- जोगबनी- आनंद विहार) के बीच एक जोड़ी होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने रविवार को बताया कि प्रति गुरुवार को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 01665 (रानी कमलापति- अगरतला) स्पेशल की सेवा को 27 जून तक बढ़ाया गया है। वापसी में प्रति रविवार को प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 01666 (अगरतला-रानी कमलापति) स्पेशल की सेवा को 30 जून तक बढ़ाया गया है। दोनों दिशाओं में यह ट्रेन वाया आमबासा, धर्मनगर, न्यूहाफलंग, गुवाहाटी, रंगिया, किशनगंज, बरौनी जं., दानापुर, मिर्जापुर, कटनी, इटारसी जंक्शन होकर चलेगी। होली स्पेशल ट्रेन संख्या 04010 (आनंद विहार- जोगबनी) 26 मार्च को आनंद विहार से 23.45 बजे रवाना होकर गुरुवार को जोगबनी 05.20 बजे पहुंचेगी। अपनी वापसी यात्रा में ट्रेन संख्या 04009 (जोगबनी- आनंद विहार) 28 मार्च को जोगबनी से 09 बजे रवाना होकर अगले दिन आनंद विहार 16.05 बजे पहुंचेगी।

जोरहाट से चुनाव लड़ने से डरते हैं गौरव गोगोई : मंत्री पीयूष

जोरहाट (हिंस)। राज्य के सूचना प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई जोरहाट से चुनाव लड़ने में डरते हैं, इसीलिए वे पुराने कलियाबर सीट से चुनाव लड़ना चाह रहे थे। मंत्री ने कहा कि यह कहना हमारा नहीं है, बल्कि स्वयं गौरव गोगोई ने शुक्रवार को मीडिया के सामने कहा था। मंत्री हजारिका ने कहा कि गौरव गोगोई इसलिए जोरहाट से चुनाव लड़ना नहीं चाहते थे क्योंकि यहां के लोगों को वे अपना नहीं समझते हैं। बल्कि, पुराने कलियाबर कहने का मतलब यह है कि वहां सामागुड़ी, धिंग, रुपही, बटद्रवा आदि विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम लोगों को गौरव अपना समझते हैं। मंत्री ने कहा कि हमारे लिए सभी अपने हैं, लेकिन गौरव लोगों के लिए सिर्फ वही लोग अपने हैं। मंत्री हजारिका ने आरोप लगाया कि गौरव गोगोई ने अपने चाचा दीप गोगोई को धोखा देकर उनकी सीट हथिया ली थी। उन्होंने कहा कि परिवार की बात कहने वाले गौरव गोगोई तीन दिनों से जोरहाट में हैं, लेकिन वे अपने चाचा पूर्व सांसद दीप गोगोई के यहां नहीं गए हैं। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई काजीरंगा सीट से भी चुनाव लड़ना नहीं चाहते हैं। दरअसल उनके मन में भय है कि जोरहाट और काजीरंगा की जनता उन्हें वोट नहीं देगी। मंत्री हजारिका आज जोरहाट में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

तामुलपुर के घग्राचक में लगी आग, लाखों रुपए की सामग्री का नुकसान

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर जिला मुख्यालय शहर के घग्राचक में बीती रात अचानक लगी आग के चलते इलाके में अफरा-तफरी फैल गयी। आग नरेंद्र मेडिकल स्टोर और एलआईसी प्रीमियम सेंटर में लगी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। आग सबसे पहले नरेंद्र मेडिकल स्टोर के पीछे लगी। आग पर फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों की मदद से काबू पा लिया गया। अग्निशमन की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया, जिसके चलते आसपास की कई दुकानों को आग से बचाया जा सका।

गणेश पाड़ा में कंगारू किड्स इंटरनेशनल प्रीस्कूल की शाखा का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। गणेशपाडा जेतूकी दैमारी पथ में कंगारू किड्स इंटरनेशनल स्कूल की शाखा का उद्घाटन ग्यारह नंबर वार्ड की पार्षद मंजुला देवी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उनके साथ स्कूल की प्रोपाइटर शालिनी बजाज, स्थानीय समाजसेवी अशोक भराली, पूर्व पार्षद सुनीता भीलवाड़िया, बोडो समाज के मुखिया कार्तिक बासूमतारी उपस्थित थे। पार्षद मंजुला देवी ने स्कूल के उद्घाटन पर खुशी जाहिर करते हुए छोटे-छोटे बच्चों के लिए स्कूल में उपलब्ध सुविधा व आवश्यक शैक्षणिक वातावरण पर संतोष व्यक्त किया। शालिनी बजाज ने बताया कि इस स्कूल में प्ले, नर्सरी, जूनियर

केजी, सीनियर केजी की क्लासेस शुरू की गई है। इसमें छोटे बच्चों को इंटरनेशनल बेस पर तैयार किया जाता है। इसमें बच्चों को स्किल डेवलपमेंट के साथ-साथ राइटिंग स्किल, रीडिंग स्किल , बच्चों के पढ़ने लिखने के अलावा हर कोण से उनको तैयार किया जाता है।

बजाली के धूमरकुर दैनिक बाजार में भीषण लगी आग

बजाली (हिंस)। बजाली के धूमरकुर के दैनिक बाजार में अचानक लगी भीषण आग में छह दुकानें जलकर राख हो गईं। बताया जाता है कि घटना रविवार तड़के की है। आग की खबर मिलने के बाद बजाली और भबानीपुर से फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। उनके संयुक्त प्रयास से बाजार समेत पूरे इलाके को पूरी तरह से जलने बचा लिया गया। हालांकि, छह दुकानों को जलने से बचाया नहीं जा सका। पुलिस के मुताबिक आग बिजली की गड़बड़ी के कारण लगी। इस बीच दावा किया जा रहा है कि आग से करीब 30 से 40 लाख रुपए का नुकसान की बात कही जा रही है।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा ने मनाया होली मिलन उत्सव

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा ने होली के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किये। जिसका शुभारंभ विशिष्ठ अतिथि उमा देवड़ा, शाखा सलाहकार सरला काबरा, सरोज मित्तल, मंजू पाटनी, इंदिरा जिंदल, शारदा केडिया, संगीता बड़जात्या, वंदना सोमानी, मंजू भंसाली, विमला कोचर ने भगवान गणेश की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्य की प्रथम महिला अनीता कटारिया ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर महिलाओं के प्रयासों को सराहना करते हुए कहा कि आज की महिला हर क्षेत्र में आगे है। वह संगठित होकर अपनी संस्कृति और परंपरा को जीवित रखने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करती है। यह एक सराहनीय बात है। शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि सम्मेलन की महिला शाखा ने प्रथम बार बृहद रूप से होली मिलन का आयोजन किया

है। जिसमें 200 से भी अधिक सदस्योंओ ने राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित होकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके अलावा पहली बार ही महिलाओं ने कार्यक्रम में गींदड का प्रदर्शन भी किया। कार्यक्रम में स्वांग व गिंदड प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें प्रथम स्थान सिया शर्मा, द्वितीय संगीता अग्रवाल, तृतीय सुमन शर्मा को प्राप्त हुआ। जबकि स्वांग में प्रथम मंजू भंसाली, द्वितीय उषा सुराणा व तृतीया कनक सेठिया तथा सांत्वना पुरस्कार ज्योति शर्मा और रश्मि जैन को दिया गया। 15 मिनट के नॉनस्टॉप नृत्य में शारदा केडिया को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की गई। संतोष शर्मा के होली धमाल गीतों पर सभी महिलाओं ने हाथों में चंग लेकर नृत्य किया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक में मोना गौड ओर सविता जैन ने अपना निर्णय सुना कर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया इस अवसर पर 21 लकी कूपन का ड्रा भी करके विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम की संयोजिका संतोष काबरा, रश्मि जैन, सुनीता चांडक, प्रेमलता सिंघानिया, सिया शर्मा और ज्योति शर्मा ने सारी व्यवस्था संभाल रखी थी। शाखा सचिव मंजू भंसाली ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

हेमलता तोदी की पुस्तक का विमोचन

गुवाहाटी। स्थानीय शक्तिगढ़ में आज एक कार्यक्रम के दौरान हेमलता तोदी की पुस्तक का विमोचन हुआ। जानकारी के अनुसार आज एक कार्यक्रम के दौरान हेमलता तोदी के प्रथम काव्य संग्रह प्रयास का विमोचन वरिष्ठ लेखिका अंजना जैन ने किया। इस दौरान सभी वक्ताओं ने कवयित्री हेमलता तोदी की काव्य यात्रा की सराहना करते हुए एक गृहिणी के लेखकीय जीवन की समस्याओं को रेखांकित किया तथा एक नारी के रचनात्मक कार्यों में घर से मिलने वाले सहयोग की प्रशंसा की। उपस्थित वक्ताओं ने उनकी लेखनी की धार की प्रशंसा की तथा आगे इससे बेहतरीन काव्य रचना पाठकों को उपलब्ध करवाने की आशा व्यक्त की। इस अवसर पर डॉ. समीर तोदी, अंजना जैन, सीमा चौहान, मालविका रायमेधि दास *मेधा* , सौमित्रम, अंशु शारडा तथा रश्मि मित्तल-प्रानिक हीलर आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव के लिए होजाई जिला प्रशासन ने कसी कमर

होजाई (निसं)। निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की घोषणा 16 मार्च शनिवार को होने के साथ-साथ होजाई जिला प्रशासन ने भी चुनाव हेतु कमर कसली है। आज होजाई जिला आयुक्त लचित कुमार दास ने जिला के सदर शंकरदेव नगर स्थित सभागार में एक संवाददाता सम्मेलन कर पत्रकारों को अवगत करवाया की हम चुनाव शांतिपूर्ण व सुचारू रूप करने हेतु दिन-रात लगे हुए हैं। उल्लेखयोग्य है, होजाई जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र होजाई, लामडिंग व बिनाकांदी को परीसामान के बाद नई काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र में अंतर बुकत किया गया है। जिला आयुक्त लचित कुमार दास ने जानकारी दी की आचार संहिता लगते ही अब सरकारी व बाकी सभी दलों के बैनर, पोस्टर, प्ले कार्ड जो भी सार्वजनिक जगह पर लगे हुए हैं उन्हें हटाने का काम प्रारंभ हो चुका है। वहीं उन्होंने कहा कि अगर कोई निजी तौर पर अपने आवास के अंदर अपने परिसर के अंदर किसी भी दल का बैनर या पोस्ट लगता है तो उसे निर्वाचन आयोग को कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि तीनों समष्टि में तीन-तीन करके 27 वीएसटी, एसएसटी व फ्लाइंग स्क्वाड सक्रिय रहेंगे। वही इन दलों की नजर में अगर कोई भी चुनावी पार्टी आचार संहिता भंग करते हुए मिलती है तो 100 मिनट के अंदर कार्रवाई होगी। उन्होंने आगे कहा कि इस दौरान किसी भी तरह की रैली, जन सभा आदि की परमिशन (इजाजत) के लिए सुविधा एप के जरिए अवेदन करना होगा। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग ने सभी दलों को सख्ती से प्रचार के दौरान किसी के ऊपर व्यक्तिगत टिप्पणी करने पर पाबंदी लगाइ है। मतदान के दौरान मतदान केन्द्रों में मतदान हेतु तीन लाइनें होगी महिला, पुरुष व थर्ड जेंडर के लिए। जिले में कुल 824 मतदान केंद्र होंगे जिसमें कुल 4944 सरकारी कर्मचारी को नियुक्त किया जाएगा। साथी उन्होंने बताया कि महिलाओं को दूर दराज के इलाकों में नियुक्त न करते हुए शहरी आंचल में ही नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने होजाई वासियों से आग्रह किया है की चुनाव के दौरान जिला प्रशासन का पूर्ण रूप से सहयोग करें जिससे चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो पाए। उल्लेखयोग्य है की असम में तीन चरणों में चुनाव संपन्न होंगे जिसमें काजीरंगा, तेजपुर, लखीमपुर, डिब्रूगढ़ व जोरहाट लोकसभा क्षेत्र में पहले चरण यानी 19 अप्रैल को मतदान होंगे।

रंगिया : स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी दलों से सहयोग की अपील : डीसी

रंगिया (विभास)। जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आज कामरूप जिले के एकीकृत जिला आयुक्त के कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया। इस मौके पर उन्होंने जिला में आयोजन होने वाले आगामी लोकसभा निर्वाचन के बारे में संवाददाताओं को जानकारी दी। जिला आयुक्त ने कामरूप निर्वाचन क्षेत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सभी दलों से सहयोग मांगा। पत्रकारों को संबोधित करते हुए, जिला आयुक्त ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दिन की घोषणा के साथ-साथ कामरूप जिला प्रशासन की ओर से सरकारी प्रचार के पोस्टर, बैनर, विज्ञापन आदि हटाने के अलावा आचार संहिता का उचित अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय किया जा रहा है। आगामी 7 मई को कामरूप निर्वाचन जिले में 5 नंबर गुवाहाटी और 3 नंबर बरपेटा लोकसभा सीट के लिए मतदान होगा। जिला आयुक्त ने इस मौके पर बताया कि कामरूप निर्वाचन जिले में कुल 965 मतदान केंद्र होंगे और इन

मतदान केंद्रों पर मतदान सुचारू रूप से चलेगा, चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिले में पर्याप्त संख्या में जोनल और सेक्टर अधिकारी को नियुक्त किया गया हैं। इसके साथ ही मतदान प्रक्रिया के अंतर्गत पोलिंग अधिकारियों और कर्मचारियों की पहचान कर ली गई है और 19 मार्च से उनके प्रशिक्षण प्रदान का काम शुरू हो जाएगा। जिला आयुक्त ने कहा कि जनता आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन की सूचना 1950 टोल फ्री नंबर और सीविजिल ऐप के माध्यम से जिला प्रशासन को दे सकती है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष कामरूप जिले में कुल 19 महिला मतदान केंद्र, एक युवा संचालित मतदान केंद्र और चार मॉडल मतदान केंद्र होंगे। अब तक कुल मतदाताओं की संख्या 8, 34, 468 है गुवाहाटी और बरपेटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अधिसूचना 12 अप्रैल को जारी की जाएगी और 19 अप्रैल नामांकन की अंतिम तिथि होगी। नामांकन की जांच की तारीख 20 अप्रैल है और नामांकन वापस लेने की तारीख 22 अप्रैल निर्धारित की गई है। वहीं दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदान 7 मई को होगा और वोटों की गिनती 4 जून को होगी। संवाददाता सम्मेलन में जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता, अतिरिक्त आयुक्त (चुनाव) कमल बरुआ और चुनाव अधिकारी मानस ज्योति बोरा उपस्थित थे। प्रेस वार्ता के बाद जिला आयुक्त ने जिले के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पहले से लागू आचार संहिता के समुचित अनुपालन के लिए नियमों पर चर्चा की।

संपादकीय

'दिव्यास्त्र' से बढ़ी भारत की सामरिक क्षमता

विज्ञान के क्षेत्र में भारत नित नयी ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है। यह आनंद की बात है कि 'दिव्यास्त्र' के सफल परीक्षण ने वैश्विक पटल पर भारत को मिसाइल तकनीक के बड़े खिलाड़ी के तौर पर स्थापित कर दिया है। भारत की इस उपलब्धि को स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट लिखकर देशवासियों के साथ साझा किया। याद रखें कि 'मिशन दिव्यास्त्र' का सफल परीक्षण भारत की सामरिक क्षमता के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह बात केवल भारत के रक्षा विशेषज्ञ ही नहीं कह रहे हैं अपितु चीन जैसा प्रतिद्वंद्वी देश भी मान रहा है कि अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण ने भारत की सामरिक क्षमता में वृद्धि की है। चीन का यह भी मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपनी सामरिक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

'दिव्यास्त्र' के सफल परीक्षण ने वैश्विक पटल पर भारत को मिसाइल तकनीक के बड़े खिलाड़ी के तौर पर स्थापित कर दिया है। भारत की इस उपलब्धि को स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट लिखकर देशवासियों के साथ साझा किया। याद रखें कि 'मिशन दिव्यास्त्र' का सफल परीक्षण भारत की सामरिक क्षमता के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह बात केवल भारत के रक्षा विशेषज्ञ ही नहीं कह रहे हैं अपितु चीन जैसा प्रतिद्वंद्वी देश भी मान रहा है कि अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण ने भारत की सामरिक क्षमता में वृद्धि की है। चीन का यह भी मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपनी सामरिक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। मिशन दिव्यास्त्र के संबंध में यह तथ्य भी हमारे आत्मविश्वास और आनंद को बढ़ानेवाला है कि अग्नि-5 एक स्वदेशी मिसाइल है। देश में ही विकसित अग्नि-5 मिसाइल की विशेषता है कि यह मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हिकल तकनीक से लैस है।

मिशन दिव्यास्त्र के संबंध में यह तथ्य भी हमारे आत्मविश्वास और आनंद को बढ़ानेवाला है कि अग्नि-5 एक स्वदेशी मिसाइल है। देश में ही विकसित अग्नि-5 मिसाइल की विशेषता है कि यह मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हिकल तकनीक से लैस है। इस तकनीक से एक ही मिसाइल में अनेक बम जोड़े जा सकते हैं, जिन्हें अलग-अलग जगहों पर या एक ही जगह पर अलग-अलग समय दागा जा सकता है। मिसाइल रोधी हमले से बचाव के लिए नकली बम भी इस मिसाइल के साथ भेजे जा सकते हैं, जो शत्रु को चकमा दे सकते हैं। इस मिसाइल में छह हजार किलोमीटर तक मार करने की क्षमता है तथा इससे परमाणु बम भी दागे जा सकते हैं। यही कारण है कि इस मिसाइल के सफल परीक्षण के साथ ही वैश्विक पटल पर भारत की धमक बढ़ गई है। हमें यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार संभालने के साथ ही रक्षा क्षमता को अत्याधुनिक तकनीक एवं हथियारों से युक्त करने का काम प्रारंभ किया था, जिसमें वे बहुत हद तक सफल हुए हैं। इसके साथ ही, सरकार रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति करने तथा आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से देश में ही निर्माण और उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। अग्नि-5 की पहली उड़ान ऐसे प्रयास की सफलता का महत्वपूर्ण उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि एक साथ कई हथियार ढोने की मिसाइल तकनीक साठ के दशक में ही खोज ली गयी थी और सभी ताकतवर देशों के पास ऐसी मिसाइलें हैं। अमेरिका में सत्तर के दशक के प्रारंभ में ऐसी मिसाइल का परीक्षण हुआ था, जबकि सोवियत संघ ने कुछ साल बाद ऐसी मिसाइल बनाने में कामयाबी पायी। भारत ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर इस तकनीक के उपयोग की घोषणा की है। यह उपलब्धि भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और स्वाभिमान को भी इंगित करती है। अब भारत ऐसी क्षमता वाले देशों- अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन- की कतार में आ गया है। हमारे दो आक्रामक पड़ोसियों- चीन और पाकिस्तान- लगातार अपनी रक्षा शक्ति को बढ़ाने में लगे हुए हैं। ऐसे में हमें भी अपनी सामरिक तैयारी को बेहतर करते जाना है। कई बम ढोने की मिसाइल तकनीक चीन के पास पहले से ही है और पाकिस्तान भी ऐसी मिसाइलों को विकसित कर रहा है। पिछले वर्ष अक्टूबर में पाकिस्तान ने मध्य दूरी के एक बैलेस्टिक मिसाइल का दूसरा परीक्षण किया था, जिसे कई हथियारों को ढोने के लिहाज से डिजाइन किया गया है। इसलिए यह आवश्यक हो गया था कि भारत के पास भी इस प्रकार की मिसाइल होनी चाहिए। यह अच्छी बात है कि भारत ने किसी दबाव में आकर विदेश से इस प्रकार की मिसाइल नहीं खरीदी अपितु स्वदेशी तकनीक से भारत में ही मिसाइल को बनाने की चुनौती को स्वीकार किया। इसलिए कहा जा रहा है कि अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण हमारी सामरिक शक्ति बढ़ाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही, यह अत्याधुनिक तकनीक के क्षेत्र में हमारी प्रगति का भी उदाहरण है।

त्रिपुरा का मुख्य विपक्षी दल टिपरा मोथा भी अब भाजपा सरकार में शामिल हो गया है

इंडिया गठबन्धन की उलझनों से भाजपा की राह आसान

ललित गर्ग

केंद्र की सत्ता पर काबिज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-एनडीए में नये दलों के जुड़ने की खबरों से उसके बड़े लक्ष्य के साथ जीत की राह आसान होती जा रही है। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपने सहयोगी दलों के साथ 400 सीटें जीतने का लक्ष्य निश्चित किया है। भाजपा जहां इस बडे.लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पुराने सहयोगियों को फिर से साध रही है तो दूसरे दलों के नेताओं को अपने पाले में करने पर भी पार्टी का जोर है और वह इसमें बड़ी सफलताओं को प्राप्त कर रही है। ओडिशा में बीजेडी और आंध्र में टीडीपी से गठबंधन पक्का माना जा रहा है। त्रिपुरा का मुख्य विपक्षी दल टिपरा मोथा भी अब भाजपा सरकार में शामिल हो गया है।

इंडिया गठबन्धन लगातार कमजोर होता हुआ दिखाई दे रहा है जबकि केंद्र की सत्ता पर काबिज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-एनडीए में नये दलों के जुड़ने की खबरों से उसके बड़े लक्ष्य के साथ जीत की राह आसान होती जा रही है। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपने सहयोगी दलों के साथ 400 सीटें जीतने का लक्ष्य निश्चित किया है। भाजपा जहां इस बडे.लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पुराने सहयोगियों को फिर से साध रही है तो दूसरे दलों के नेताओं को अपने पाले में करने पर भी पार्टी का जोर है और वह इसमें बड़ी सफलताओं को प्राप्त कर रही है। ओडिशा में बीजेडी और आंध्र में टीडीपी से गठबंधन पक्का माना जा रहा है। त्रिपुरा का मुख्य विपक्षी दल टिपरा मोथा भी अब भाजपा सरकार में शामिल हो गया है। भाजपा पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक चुनावी समीकरण सेट करने एवं विभिन्न दलों को एनडीए में शामिल करने की रणनीति में जुटी है। भाजपा ने अभी अनेक प्रांतों में अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की है, ताकि दूसरे दलों के एनडीए में शामिल करने एवं उनसे सीटों के समीकरण को सेट करने के दरवाजे खुले रहे। निश्चित रूप से भाजपा की यह मजबूत होती स्थिति विपक्ष की एकता के लिए अच्छी खबर नहीं कही जा सकती क्योंकि इंडिया गठबन्धन विभिन्न मजबूत क्षेत्रीय दलों का ही गठबन्धन माना जाता है जिसमें कांग्रेस एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है। समाजवादी पार्टी एवं आम आदमी पार्टी के अलावा अन्य क्षेत्रीय दलों में उतना दम नहीं है, या अनेक मजबूत दल एनडीए के साथ जुड़ चुके हैं या उन्होंने स्वतंत्र चुनाव लड़ने की घोषणा करके इंडिया गठबन्धन की सांसें छीन ली है। इन नये गठजोड़ों से बनते राजनीतिक परिदृश्य इंडिया गठबन्धन के लिये चिन्ता का कारण है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव ऐतिहासिक होंगे। ऐसी संभावनाएं हैं कि भाजपा शारदार एवं ऐतिहासिक जीत को सुनिश्चित करने के लक्ष्य को लेकर सक्रिय है। नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि इन चुनावों के परिणाम उनके 400 सीटों के लक्ष्य को हासिल करें। इसलिये भाजपा विभिन्न दलों को एनडीए में शामिल करने के जोड़-तोड़ में लगी है। इस चुनाव को लेकर

चुनावी गठबंधनों का दौर चल रहा है। राजनीतिक दल चुनावी गठबंधनों और सीटों के बंटवारे पर चर्चा कर रहे हैं। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन में क्षेत्रीय दलों को जोड़ा जा रहा है, तो दूसरी तरफ खड़ा है इंडिया गठबंधन। कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने भी कुछ राज्यों में अपने सहयोगी दलों के साथ सीट शेयरिंग पर बात बना ली है। कुछ पर अब भी बात चल रही है। भाजपा ने 2 मार्च को अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में 195 उम्मीदवारों के नाम थे। कुछ ऐसे राज्य बिहार, महाराष्ट्र, ओडिशा, हरियाणा, पंजाब और कर्नाटक हैं जहां से भाजपा ने एक भी उम्मीदवार की घोषणा नहीं की। इन राज्यों के एक भी सीट पर उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं करने का कारण है- भाजपा की अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन या गठबंधन के दलों के साथ सीट शेयरिंग पर अब भी चल रही बातचीत में संभावनाएं तलाशने की रणनीति। लोकसभा चुनाव सन्निकट हैं। इंडिया गठबन्धन एवं एनडीए रूठे नेताओं को मनाने, गठबंधन का गणित सेट करने और पुराने सहयोगियों को फिर से साथ लाकर कुनबा बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हैं। भाजपा ने इन चुनावों में 'अबकी पार, 400 पार' का नारा दिया है। अब पार्टी इस नारे को चुनाव नतीजे में तब्दील करने के लिए व्यापक स्तर पर गठबंधनों की संभावनाओं को तलाश रही है। ओडिशा में बीजू जनता दल और भाजपा का गठबंधन पक्का माना जा रहा है। अगर ये गठबंधन होता है तो राज्य में दोनों ही दलों को बढ़िया चुनाव परिणाम मिल सकते हैं। कारण कि पिछले लोकसभा चुनाव में यहां कांग्रेस को मात्र 1 सीट पर जीत मिली थी और वर्तमान में यहां की राजनीति पर नवीन पटनायक की मजबूत पकड़ बताई जाती है। लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में दोनों पार्टियां 11 सालों तक गठबंधन में रहीं। इस दौरान दोनों दलों का राज्य की राजनीति पर दबदबा बना रहा। पटनायक राजनीति के महारथि है, उनको भाजपा के साथ गठबंधन करना ही पार्टी एवं राज्य की जनता के हित में प्रतीत हो रहा है। बीजू जनता दल की पिछले 25 वर्षों से ओडिशा में सरकार है और इसके मुख्यमन्त्री श्री नवीन पटनायक इस पार्टी के एकछत्र नेता माने जाते हैं और इस दल का 2009 तक भाजपा से सहयोग था और यह एनडीए का हिस्सा था। 1998 में जब एनडीए का गठन हुआ था तो बीजू जनता दल स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में इसमें शामिल हुआ था। मगर 2008 में ओडिशा के कन्धमाल में भीषण साम्प्रदायिक दंगे हुए थे जिनमें भाजपा पर भी गंभीर आरोप लगे थे। उसके बाद 2009 में बीजू जनता दल लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए से बाहर आ गया था। अब पुनः 15 वर्ष बाद वर्ष 2024 के आम चुनाव में ही यह पुनः एनडीए में शामिल हो रहा है और श्री मोदी के नेतृत्व में राज्य को विकास की नयी ऊंचाइयां देना चाहते हैं। नवीन बाबू की वरीयता राज्य शासन पर काबिज रहना है और भाजपा का लक्ष्य केन्द्र की सरकार पर आरूढ़ रहना है। दोनों पार्टियां एक-दूसरे के लक्ष्य को पूरा करने में एक-दूसरे की सहायक हो सकती हैं। अतः इससे विपक्ष का यह विमर्श भी निस्तेज पड़ता है कि श्री मोदी के सत्ता में आने के बाद से देश में भाजपा विरोध का समां बंधा है। मोदी के प्रभावी नेतृत्व का ही परिणाम है कि अनेक क्षेत्रीय दल भाजपा का समर्थन करते हुए न केवल अपनी राजनीति को जीवंत रखना चाहते हैं बल्कि नया भारत-सशक्त भारत बनाने में खुद को शामिल करना चाहते हैं। ओडिशा की ही तर्ज पर बिहार में भी नीतीश को मोदी के नेतृत्व में हित दिखाई दिया है। यही कारण है लोकसभा चुनाव के पहले बिहार में राजनीतिक बदलाव करते हुए नीतीश एनडीए से जुड़ गये।

दृष्टि कोण

हैदराबाद में भाजपा ने माधवी लता को उतार कर ओवैसी को उनके गढ़ में बुरी

देश भर में घूम-घूमकर मुस्लिम वोटों की राजनीति करने वाले एआईएमआईएम के प्रमुख असद्दुदीन ओवैसी इस बार खुद अपने गढ़ हैदराबाद में घिर गये हैं क्योंकि भाजपा ने आरएसएस कार्यकर्ता माधवी लता को उनके खिलाफ उतार दिया है। माधवी लता जिस तरह से अपनी उम्मीदवारी घोषित होने के बाद से ओवैसी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं उससे हैदराबाद के सांसद की राजनीतिक जमीन हिल गयी है। इसीलिए आजकल ओवैसी जिम में पसीना बहा रहे हैं क्योंकि उन्हें इस बार मजबूत उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ना है और समय निकाल कर अन्य प्रदेशों में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों का प्रचार भी करना है। हम आपको बता दें कि हाल में संपन्न तेलंगाना विधानसभा चुनाव में जिस तरह एआईएमआईएम को अपने गढ़ हैदराबाद में झटका लगा था उसके चलते लोकसभा चुनाव के लिए ओवैसी काफी सतर्कता बरत रहे हैं। जहां तक माधवी लता की बात है तो आपको बता दें कि वह आरएसएस कार्यकर्ता, पारंपरिक भारतीय महिला, उद्यमी, अस्पताल प्रशासक और एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नर्तक हैं। हाल के समय तक राजनीतिक क्षेत्रों में उनका नाम कभी चर्चा में नहीं रहा था लेकिन जब भाजपा ने हैदराबाद से उन्हें लोकसभा सीट का उम्मीदवार घोषित किया तो वह रातोंरात सुर्खियों में आ गयीं। 49 वर्षीय कोम्पेला माधवी लता तीन बच्चों की मां हैं। जब उन्हें भाजपा उम्मीदवार बनाया गया तो वह खुद भी आश्चर्यचकित रह गयी थीं क्योंकि उन्होंने अपने लिए कभी कोई पैरवी नहीं की थी। ओजस्वी वक्ता और उस्मानिया विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर माधवी लता कहती हैं कि मेरी उम्मीदवारी से यह बात साबित हो जाती है कि भाजपा लोगों की क्षमताओं और उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों पर नजर रखती है और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देती है। हम आपको बता दें कि माधवी लता को उम्मीदवार बनाये जाने का कारण यह भी है कि एक तो वह महिला हैं और दूसरा मुस्लिम महिलाओं के बीच उन्होंने काफी काम किया है जिसके चलते वह उनके बीच काफी लोकप्रिय हैं। इसके अलावा एक प्रखर वक्ता होना भी उनके पक्ष में गया है

क्योंकि ओवैसी जिस तरह अपने भाषणों के जरिये लोगों को अपने पक्ष में करते हैं उसी तरह अपने भाषणों के जरिये उन्हें जवाब देने वाला प्रतिद्वंद्वी उनके खिलाफ चाहिए था। हम आपको बता दें कि एआईएमआईएम ने चार दशकों से हैदराबाद लोकसभा सीट पर कब्जा बनाए रखा है। सलाहुद्दीन ओवैसी ने 1984 से 1999 तक इस सीट का प्रतिनिधित्व किया और उसके बाद से उनके बेटे असदुद्दीन हैदरबाद से सांसद हैं। हैदराबाद लोकसभा सीट के तहत गोशामहल को छोड़कर सभी विधानसभा क्षेत्रों पर एआईएमआईएम का कब्जा है। गोशामहल से भाजपा के फायर ब्रांड नेता टी. राजा विधायक हैं। भाजपा ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भगवंत राव पवार को अपना उम्मीदवार बनाया था जोकि ओवैसी से भारी अंतर से चुनाव हार गये थे। इस बार हैदराबाद से भाजपा प्रत्याशी तय करने में आरएसएस से जुड़े संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रमुख और संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने इस क्षेत्र में मुस्लिम महिलाओं के बीच काम कर रहीं माधवी लता का नाम सुझाया जिस पर पार्टी में सहमति बन गयी और उनकी उम्मीदवारी की घोषणा हो गयी। खुद माधवी लता भी इस बात को मानती हैं कि उन्हें चुनाव में मुस्लिम महिलाओं का सहयोग मिलेगा। उनका कहना है कि अगर हिंदू-मुस्लिम मुद्दे को देखा गया होता तो भाजपा मुझे उम्मीदवार नहीं बनाती। उनका कहना है कि मैं मुस्लिमों के बीच काम करती हूँ और उन्हें अपना मानती हूँ। माधवी लता का कहना है कि मैं तीन तलाक की विरोधी रही हूँ और हिंदुओं से जुड़े विषयों को लेकर भी सक्रिय रही हूँ। पुराने हैदराबाद शहर के याकूतपुरा की संतोष नगर कॉलोनी में एक निम्न-मध्यम वर्गीय परिवार में पली-बढ़ी लता माधवी कहती हैं कि वह हमेशा विभिन्न संस्कृतियों के बीच रहीं हैं। माधवी लता ने अपनी उम्मीदवारी घोषित होने के बाद मीडिया से कहा था कि मुझे 1980 के दशक में हुए सांप्रदायिक दंगों ने डरा दिया था।

कुछ अलग

नागरिकता और न्याय

लोकसभा चुनाव से पूर्व आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले पूरे देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए को लागू करने के भले ही राजनीतिक निहितार्थ बताए जा रहे हों, लेकिन पड़ोसी देशों में धार्मिक उत्पीड़न के चलते भारत लौटे हजारों लोगों के लिये यह न्यायपूर्ण नागरिकता ही है। भले ही सीएए को हकीकत में बदलने में चार साल से अधिक का समय लग गया हो मगर यह कदम अपना सब कुछ गवां कर लौटे लोगों के सपने सच होने जैसा है। उनकी स्थिति असमंजस के चलते कष्टदायक बनी हुई थी। नये कानून के प्रावधानों के अनुसार अब पाकिस्तान, अफगानिस्तान व बांग्लादेश में अल्पसंख्यक के रूप में सताये गए हिंदू, सिख, बौद्ध, पारसी आदि लोगों को भारत आने पर नागरिकता मिलने में आसानी होगी। दरअसल, नागरिकता अधिनियम 1955 के अनुसार भारत में नागरिकता पाने के लिये देश में ग्यारह साल तक रहना जरूरी था। अब यह अवधि घटाकर छह वर्ष कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि जब 2019 में नागरिकता संशोधन अधिनियम को संसद की मंजूरी मिली थी तो भ्रम व राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते खासा विवाद हुआ था। दरअसल, व्याख्या की गई थी कि यह देश के अल्पसंख्यकों की नागरिकता पर संकट लाने वाला कदम है। केंद्र सरकार भी विरोधियों को यह समझाने में सफल नहीं हो सकी कि यह कानून किसी की नागरिकता छीनने वाला नहीं बल्कि पड़ोसी देशों में उत्पीड़न के बाद पलायन करने वाले भारतीय लोगों को न्यायपूर्ण नागरिकता देने के लिये है। लेकिन इस मुद्दे पर जमकर हुई राजनीति का शोर इतना प्रबल था कि सीएए के मुद्दे पर अनपेक्षित विवाद पैदा हुआ। दिल्ली में इसके विरोध में लंबा आंदोलन चला। जो कालांतर हिंसक टकराव में भी तब्दील हुआ। बहरहाल, सीएए को देश में लागू करके भाजपा ने अपने लक्षित वर्ग को यह विश्वास दिलाया कि उसने अपने कोर एजेंडे में शामिल अधिकांश मुद्दों को मूर्तरूप दे दिया है। ठीक चुनाव से पहले इसका क्रियान्वयन इसी ओर इशारा भी करता है। बहरहाल, वर्षों से भारत आकर नागरिकता की प्रतीक्षा कर रहे उन हजारों लोगों ने राहत की सांस ली होगी, जो लंबे समय से नागरिकता हासिल करने के लिये सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। इन लोगों के पास दुनिया में कहीं दूसरा ठौर-ठिकाना भी नहीं था। बहरहाल, पड़ोसी देशों में विभाजन की विसंगतियों तथा उन देशों में बहुसंख्यक समाज की असहिष्णुता ने ऐसे हालात पैदा कर दिये थे कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के पास भारत आने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। पिछले कुछ वर्षों में अफगानिस्तान में तख्ता पलट के बाद तालिबान ने जिस तरह का क्रूर व्यवहार हिंदू-सिखों के साथ किया था, उसके चलते इन समुदायों के अधिकांश लोग अफगानिस्तान छोड़ गये हैं। बहरहाल, अब नये कानून के तहत ये लोग अपनी नागरिकता के लिये ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इस मुद्दे का विरोध करने वालों के अपने तर्क हैं। इस मामले पर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी स्वाभाविक है। इसको लेकर धर्म की राजनीति करने के आरोप भी लगाये जाते रहे हैं। पक्ष व विपक्ष इस मुद्दे का लाभ उठाने की कोशिश आसन्न लोकसभा चुनाव के चलते करेगा। लेकिन राजनीति से इतर इस मुद्दे का मानवीय पक्ष भी है। जो लोग बेहतर जीवन की आस में देश में आए हैं उनकी आकांक्षाओं को पूरा किया जाना ही चाहिए। यह अच्छी बात है कि चुनाव से पहले कानून से जुड़े नियम स्पष्ट हो गये हैं। वर्ष 2019 के समय इसे अधिसूचित करते वक्त ऐसा नहीं हो सका था।

देश दुनीया से

इतनी भगदड़ के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व के रवैये में बदलाव नहीं

पिछले दस वर्षों में पंद्रह पूर्व मुख्यमंत्रियों के पार्टी से बाहर जाने के बावजूद एक भी मामले में कांग्रेस नेतृत्व ने यह जानने की कोशिश नहीं की कि इतने सारे वरिष्ठ और दिग्गज नेता पार्टी छोड़कर क्यों जा रहे हैं। इसने डॉ अजय कुमार, अरविंदर सिंह लवली, कृष्णा तीरथ, अलका लांबा जैसे उन थोड़े से पार्टी नेताओं से प्रतिक्रिया लेने की भी कोशिश नहीं की, जो वास्तव में पार्टी में लौट आए थे। संयोग से यह पहला अवसर नहीं है, जब कांग्रेस का भविष्य खराब दिख रहा है या गांधी परिवार पर हमले हो रहे हैं। इंदिरा गांधी को दो बार 1969 एवं 1977 में ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने अपने विरोधियों को परास्त कर बाजी पलट दी।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में धूमिल संभावनाओं को देखते हुए कांग्रेस एक विखंडित पार्टी के रूप में नजर आ रही है। वर्ष 2014 लेकर अब तक पार्टी ने 50 से ज्यादा प्रभावशाली नेताओं, जिनमें 15 मुख्यमंत्री और इतने ही पूर्व केंद्रीय मंत्री, एआईसीसी पदाधिकारी और अन्य प्रतिष्ठित लोग शामिल हैं, को बाहर निकलते देखा है। पिछले दस वर्षों में पंद्रह पूर्व मुख्यमंत्रियों के पार्टी से बाहर जाने के बावजूद एक भी मामले में कांग्रेस नेतृत्व ने यह जानने की कोशिश नहीं की कि इतने सारे वरिष्ठ और दिग्गज नेता पार्टी छोड़कर क्यों जा रहे हैं। इसने डॉ अजय कुमार, अरविंदर सिंह लवली, कृष्णा तीरथ, अलका लांबा जैसे उन थोड़े से पार्टी नेताओं से प्रतिक्रिया लेने की भी कोशिश नहीं की, जो वास्तव में पार्टी में लौट आए थे। संयोग से यह पहला अवसर नहीं है, जब कांग्रेस का भविष्य खराब दिख रहा है या गांधी परिवार पर हमले हो रहे हैं। इंदिरा गांधी को दो बार 1969 एवं 1977 में ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने अपने विरोधियों को परास्त कर बाजी पलट दी। यहां तक कि जब 1987 में राजीव गांधी का पतन शुरू हुआ, तो कई नेता विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में जनमोर्चा के गठन के लिए पार्टी छोड़कर चले गए। नरसिंह राव के कार्यकाल में अरुण सिंह, एनडी तिवारी, एस बंगरप्पा, माधवराव सिंधिया और ममता बनर्जी पार्टी जैसे नेता पार्टी से बाहर हो गए। वर्ष 1999 में शरद पवार ने अपनी अलग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाई। लेकिन 2014 के बाद कोई विभाजन नहीं हुआ, जो थोड़ा असामान्य है। क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि वर्तमान कांग्रेस नेता अलग हुए समूहों को राजनीतिक रूप से व्यावहारिक नहीं पाते हैं? या फिर ऐसी भावना है कि कांग्रेस की विचारधारा को कोई अपनाने वाला नहीं है, इसलिए विपरीत खेमे यानी भाजपा में शामिल होना ही समझदारी है? पार्टी छोड़ने वाले नेताओं को दोष देने के बजाय कांग्रेस को अपने वैचारिक ढांचे को मजबूत करना होगा और 'क्या करें' तथा 'क्या नहीं करें' की एक सूची बनानी होगी। लेखक जहीर मसानी ने एक बार पूर्व प्रधानमंत्री को उद्धृत करते हुए कहा था कि कोई 'व्यक्ति जो राष्ट्र प्रमुख हो, वह व्यावहारिक न होने का जोखिम भला कैसे उठा सकता है। आपको हर दिन व्यावहारिक बनना पड़ता है। लेकिन आपको अपनी व्यावहारिकता को किसी प्रकार के आदर्शवाद से जोड़ना होगा, अन्यथा आप जो करना चाहते हैं, उसके लिए लोगों को उत्साहित नहीं कर पाएंगे।' राहुल की कांग्रेस में पार्टी की विचारधारा लोगों को उत्साहित करने में विफल रही है। 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी', 'जाति आधारित जनगणना', 'खून की दलाली', 'चौकीदार चोर है' जैसी राहुल की टिप्पणियों और राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने से इन्कार ने पार्टी विचारधारा को मजबूत बनाया है। दिवंगत वीएन गाडगिल ने कहा था कि भावनात्मक मुद्दों पर कांग्रेस दो पाटों के बीच फंस गई है। इसके अलावा, राहुल गांधी गैर-परंपरागत और लापरवाह नेता के रूप में दिखते हैं। पूर्व कांग्रेस प्रमुख के रूप में राहुल लाखों कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समर्थकों और मतदाताओं की भावनाओं

और संवेदनाओं को उचित महत्व दिए बिना अपने अधिकार की भावना से ग्रस्त दिखे। ऐतिहासिक रूप से अपने राजनीतिक अभियानों में धर्म को मिलाने की कांग्रेस की कोशिश समस्याग्रस्त रही है। धर्म एवं राजनीति को लेकर जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के विचारों में भारी विरोधाभास थे। जैसा कि मैंने अपनी पुस्तक 24, अकबर रोड में उल्लेख किया है, नेहरू धर्मनिरपेक्षता की अपनी परिभाषा को लेकर दृढ़ थे, जिसका मतलब था जीवन के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलू से धर्म को अलग रखना। नेहरू के विचार से, धर्म एक व्यक्तिगत मामला है, जिससे राज्य को हर कीमत पर अलग होना चाहिए। लेकिन महात्मा गांधी के लिए धर्म धर्मनिरपेक्षता का अभिन्न हिस्सा था। गांधी कहते थे कि 'धर्म रहित राजनीति पूरी तरह गंदगी है।' राहुल गांधी का 'मुस्लिम बुद्धिजीवियों' को शामिल करने का कदम, शशि थरूर की भारत के 'हिंदू पाकिस्तान' में बदलने की आशंका और 2019 में कांग्रेस के घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर से सुरक्षा बलों को आंशिक रूप से वापस बुलाने की पेशकश का नकारात्मक असर हुआ।

आप का नजरीया

अरुणाचल पर वक्रदृष्टि

यह पहली बार नहीं है कि चीन ने अरुणाचल पर कुतर्कों का राग अलापा हो। गाहे-बगाहे जब भी भारत के विशिष्ट व्यक्ति अरुणाचल जाते हैं और भारत सामरिक बढ़त लेता दिखता है, चीन गीदड़ भभकियां देने लगता है। हालिया मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीते शनिवार बेहद ऊंचाई पर स्थित सबसे लंबी सुरंग के उद्घाटन का है। जिसको लेकर चीन को बेचैनी हुई है। उसने प्रधानमंत्री की अरुणाचल यात्रा पर भारत से राजनयिक आपत्ति दर्ज करायी है। जिसका कोई औचित्य नहीं है। दरअसल, साम्राज्यवादी चीन धरातल पर सैन्य ताकत दिखाने के साथ ही मनोवैज्ञानिक स्तर पर युद्ध लड़कर भी दबाव बनाने की कुत्सित कोशिशें करता रहता है। दरअसल, प्रधानमंत्री ने अरुणाचल के तवांग को असम के तेजपुर से जोड़ने वाली महत्वाकांक्षी सेला सुरंग राष्ट्र को समर्पित की थी। इस सुरंग के काम करने से अब तमाम प्रतिकूल मौसम में भी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तवांग तक भारतीय सैनिकों की आवाजाही व हथियार-रसद की आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। भारत की सामरिक बढ़त पर चीन का तिलमिलाना स्वाभाविक ही है। करीब तेरह हजार फीट पर बनी यह सुरंग इस ऊंचाई पर बनी सबसे लंबी सुरंगों में शुमार है। जाहिर है भारत की इस कामयाबी से चीन का तिलमिलाना स्वाभाविक ही था। दरअसल, चीन अरुणाचल पर अनावश्यक दबाव बनाते हुए इसे अपने कब्जाये हुए तिब्बत का दक्षिणी भाग बताता है। यह सर्वविदित है कि भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर हुए समझौते में अरुणाचल को चीन ने भारत का अंग माना है। निस्संदेह, लोकतांत्रिक विश्व में अंतर्राष्ट्रीय सीमा की अनदेखी करके अपना अधिकार जताने का कोई औचित्य नहीं है। ऐसा नहीं हो सकता है कि कोई देश दूसरे देश के हिस्से पर अपनी काल्पनिक दावेदारी जताकर आंखें दिखाए। उल्लेखनीय है कि बीते साल भी चीन ने अपने एक विवादित नक्शे में न केवल अरुणाचल के कुछ हिस्सों पर अपनी दावेदारी जतायी थी बल्कि अपनी दादागीरी दिखाने को कुछ स्थानों के नाम भी बदल दिये थे। जिसको लेकर भी भारत ने तल्ख प्रतिक्रिया प्रकट की थी। बहरहाल, अरुणाचल पर चीन की हालिया टिप्पणी पर भारत ने कड़ा प्रतिवाद किया है और इसे हमारी राष्ट्रीय संप्रभुता पर आंच आने वाले कृत्य के तौर पर देखा है। जाहिर बात है कि ताकतवर मुल्क यदि अन्य देशों के भौगोलिक इलाकों को लेकर ऐसा रवैया अपनाएंगे तो फिर अंतर्राष्ट्रीय सीमा का क्या औचित्य रह जाएगा। यही वजह है कि भारत ने चीन के खोखले दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। निस्संदेह, यह घटनाक्रम चीन के दोहरे चरित्र को ही दर्शाता है। एक तरफ तो बातचीत के लिये चीन टेबल पर आता है और दूसरी तरफ भड़काऊ गतिविधियों के जरिये संबंधों को पलीता लगाने की नापाक साजिशें भी करता रहता है। कई बार भारतीय खिलाड़ियों को चीन जाने पर स्टैपल वीजा देकर विवादों को हवा देता रहा है। जाहिर इस तरह के कृत्य से पहले ही जटिल होते दोनों देशों के संबंधों में सुधार की कोशिशों पर पानी ही फिरता है। दीर्घकाल में सीमा विवाद को सुलझाने के प्रयासों को भी झटका ही लगता है। वहीं दूसरी ओर अरुणाचल की सीमा पर अस्थिरता पैदा करने की चीन की साजिशें जगजाहिर हैं।

पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव से जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने किया सवाल

पटना (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के बयान पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने पलटवार किया है। उन्होंने रविवार को बयान जारी कर तेजस्वी यादव से पूछा कि 75 फीसदी आरक्षण का श्रेय लेने से पहले तेजस्वी यादव को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनके माता-पिता के 15 साल के शासनकाल में इस 75 फीसदी आरक्षण को क्यों नहीं लागू किया गया था ? कुशवाहा ने पूछा कि वर्ष 1990 से 2005 तक बिहार में राजद की सरकार थी लेकिन इन 15 वर्षों में अति पिछड़ों के लिए आरक्षण की व्यवस्था क्यों नहीं की गई ? आखिर क्यों अति पिछड़ा समाज को राजनीतिक रूप से अछूत रखा गया ? उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि प्रदेश की महिलाओं को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने त्रिस्तरीय पंचायती राज एवं नगर निकायों में 50 फीसदी आरक्षण देकर आधी आबादी को पूरा अधिकार देने का काम किया। आज राज्य सरकार की सभी सरकारी नौकरियों में बिहार की बहन-बेटियों को 35 फीसदी का आरक्षण दिया जा रहा है। यह सब कुछ नीतीश सरकार के 18 वर्षों के शासनकाल में संभव हुआ जबकि राजद के शासनकाल में सिर्फ लालू परिवार की महिलाओं और बेटे-बेटियों को आरक्षण की सुविधा दी गई और उन्हें राजनीति में सेट करने का पूरा प्रयास किया गया। कुशवाहा ने कहा कि तेजस्वी यादव आज विशेष राज्य के दर्जे की बात करते हैं लेकिन वे यह बताना भूल जाते हैं कि यूपीए की सरकार में उनके पिता लालू प्रसाद यादव कद्दावर मंत्री की भूमिका में थे तब उनकी ओर से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए क्या प्रयास किए गए थे ? इस सवाल का जवाब भी बिहार की 14 करो ? जनता जानने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ज्ञान के अभाव में तथ्यहीन और आधारहीन बयान दे रहे हैं लेकिन उनके इस भ्रामक बयानबाजी से बिहार की जनता पर कोई असर नहीं होगा और आगामी लोकसभा चुनाव में पुन: राजद शून्य पर सिमटेगी।

इंडिया गठबंधन की कुरुक्षेत्र में धर्म और अधर्म की लड़ाई : सुशील गुप्ता

शहीदी दिवस कार्यक्रम में गांव हरनौला पहुंचे डॉ. सुशील गुप्ता

यमुनानगर (हिंस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष और इंडिया गठबंधन के तहत कुरुक्षेत्र लोकसभा से आआपा के प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता रविवार को रादौर के गांव हरनौला में शहीदी दिवस कार्यक्रम में पहुंचे। अंबेडकर युवा मंच, हरियाणा की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बहुजन समाज के नेता और रादौर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी मोहित ईशु अपने समर्थकों के साथ पार्टी में शामिल हुए। डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि शहीदों के बलिदान की वजह से हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। शहीदों को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि इस देश

की आजादी के लिए सैंकड़ों वर्षों की लड़ाई लड़ी गई। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता में देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए देश के संविधान को बनाया गया। उन्होंने कहा कि आज भाजपा की सरकार बाबा साहेब के संविधान को तोड़ने में लगी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलकर चुनाव आयोग को कमजोर करने में लगी है। चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव को पूरे देश ने देखा। उन्होंने कहा कि देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन बना। कुरुक्षेत्र में धर्म और अधर्म की लड़ाई है। कुरुक्षेत्र की जीत से प्रदेश में नए युग का उदय होगा। श्रीकृष्ण भगवान का आशीर्वाद हमारे साथ है। इंडिया गठबंधन प्रदेश की सभी 10 सीटों पर विजय प्राप्त करेगी।

लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को हराएगी : अखिलेश यादव

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को कहा है कि होने वाले लोकसभा चुनाव-2024 सात चरणों में है। जनता इन सात चरणों के चुनाव में भाजपा को हरायेगी और भाजपा की केंद्र सरकार को हटाएगी। यही एक मात्र जनता की इच्छा और आकांक्षा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के 10 वर्ष जनता के लिए परेशानी और यंत्रणा भरे रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार, अन्याय और अत्याचार सरकार का अभिन्न अंग बन गए हैं। पुलिस प्रशासन बेलगाम है। पुलिस हिरासत में लोगों की मौते हो रही है। महिलाएं एवं बच्चियां अपमानित और असुरक्षित हैं। डबल इंजन भाजपा सरकार में देश और प्रदेश का विकास नहीं हुआ। किसान हों या नौजवान सभी भाजपा सरकार में उपेक्षित हैं। किसान लगातार आंदोलित है। किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी नहीं दी जा रही है। एमएसपी की मांग कर रहे सैकड़ों किसानों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों से बात करने के बजाय उनके रास्ते में कील कांटे लगा रही है। नौजवानों का भविष्य अंधेरे में है। हर वर्ष दो करोड़ नौकरी देने का वादा करने वाली भाजपा

सरकार लोगों की नौकरी छीनने का काम करती है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा की अहंकारी सत्ता का जवाब समाजवादी पीडीए इंडिया गठबंधन है। देशवासी जानते हैं कि भाजपा सरकार के रहते न तो उनके अधिकार बचेंगे न ही उनका सम्मान बचेगा। आरक्षण व्यवस्था समाप्त हो जाएगी। देश की सम्पत्ति चंद पूंजीपति मित्रों को बेची जा रही है। संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए उत्तर प्रदेश की जनता इस बार 80 हराओ, भाजपा हटाओ का संकल्प ले चुकी है।

योगी के मंत्री ने लोकसभा चुनाव को लेकर दिए सुझाव

बोले, जी जान से जुटें कार्यकर्ता

मीरजापुर (हिंस)। नगर के बरौधा कचार स्थित भारतीय जनता पार्टी के सभागार में जिला उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक रविवार को सम्पन्न हुई। विधानसभा प्रभारी, संयोजक तथा विस्तारकों के साथ तीन सत्रों में बैठक चली। मुख्य अतिथि आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं क्लस्टर प्रभारी डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने संगठन के प्रत्येक प्रबंधन समिति के सदस्यों को दिए गए कामों की जानकारी और संगठन के कार्यों पर सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि मंडलों, शक्ति केंद्रों व बूथ समिति प्रत्येक की टोली बनाकर कार्य करना है। जहां बूथ कमजोर है, उस बूथ पर विशेष अभियान चलाकर मजबूत करना है। साथ ही उन्होंने अनेकानेक संगठनात्मक चर्चा की। लोकसभा प्रभारी रविन्द्रनाथ पाठक ने कहा कि चुनाव का बिगुल बज चुका है, सभी प्रबंधन समिति के सदस्यों को अपने कार्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना है। जिला से लेकर बूथ

समिति तक के सदस्यों से मिलकर देश व प्रदेश की सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में जनता को अवगत कराना है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे दिनेश प्रताप सिंह ने सभी अतिथियों तथा प्रबंधन समिति के सदस्यों का स्वागत व अभिनंदन किया। इस दौरान लोकसभा विस्तारक भानुप्रताप चतुर्वेदी, जिला महामंत्री हरिशंकर सिंह पटेल, विधानसभा प्रभारी राजकुमार जायसवाल, रमाकांत विश्वकर्मा, मनोज सोनकर, देवेन्द्र प्रताप सिंह, आशुतोष चतुर्वेदी, विधानसभा संयोजक विपुल सिंह, लल्लू राम मोदनवाल, जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दूबे आदि मौजूद थे।

अहंकार के आसन पर बैठ कर कोई ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता : डॉ अरुण कुमार जायसवाल

सहरसा (हिंस)। गायत्री शक्तिपीठ में रविवार को व्यक्तित्व परिष्कार सत्र से पूर्व रुद्राभिषेक, हवन-यज्ञ एवं विभिन्न संस्कार हुए। परिष्कार सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. अरुण कुमार जायसवाल ने कहा ध्यान मन का स्नान है। ध्यान से हम उर्जावान तेजवान बनते हैं। ध्यान कीजिए। हमारे मन की कोठरी में चारोओर अंधेरा भरा पड़ा है यह कैसे दूर हो इसके लिए भगवान की साधना, आराधना, उपासना कीजिए। भगवान का मतलब विभूतियों का समुच्य। विभूतियों का समूह ही भगवान है। हमारे अंदर कसांइ कल्मस की परत चढ़ी हुई है। आपने भगवान के मूर्ति के समक्ष प्रसाद चढ़ा दिया। पूजा-पाठ कर लिया, माला फेर लिया इससे आपका कोई भला नहीं होगा। हमारे अंदर भी बुद्धि आए इसलिए भगवान की साधना उपासना और आराधना कीजिए। भगवान सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान

हैं। उन्होंने कहा जानकारी जब ज्ञान में उतरे तब उसे तब उसे ज्ञान कहते हैं। इन्द्रियां भी उसको अनुभव करती है। ज्ञान आपके व्यक्तित्व में आपके पर्सनैलिटी उस प्रकार घुल जाता है जैसे रक्त में सर्करा घुल जाता है और सेवा वह है जो आपकी संवेदना से पनपती है। संवेदना हमेशा सेवा की कोख से जन्म लेती है। वही सारे दुर्गुण निष्ठुरता के कोख से पैदा लेते हैं। दया, समता, ममता, प्रेम ये सभी संवेदना के कोख से पैदा लेते हैं तथा छल प्रपंच, कपट है यह सभी निष्ठुरता के कोख से पैदा लेते हैं। उन्होंने सेवा के संबंध में कहा-ऐसी सेवा हो जिसके अंदर आपके मन का दर्द छिपा हो और सेवा ऐसी होनी चाहिए जिसमें अहंकार विसर्जित हो। जहां अहंकार संवर्जित होता है वह सेवा नहीं है। जहां अहंकार विसर्जित होता है वह सेवा है। संवेदना जैसे बुखार में होती है उसी तरह संवेदना आपको बेचैन कर देती है सेवा। ज्ञान के संबंध में जैसा कि अष्टावक्र और राजा जनक का उदाहरण देते हुए कहा-अहंकार के आसन पर बैठ कर कोई ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकता है।

यूट्यूबर एल्विश यादव 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

नोएडा (हिंस)। सांप के जहर की तस्करी मामले में गिरफ्तार किए गए यूट्यूबर एल्विश यादव को उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले की एक अदालत ने रविवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। नोएडा थाने की पुलिस ने एल्विश यादव को गिरफ्तार करने के बाद सूरजपुर की अदालत में पेश किया था। उधर पुलिस ने उस पर एनडीपीएस एक्ट भी लगा दिया है। अल्विश को पुलिस ने रविवार को पूछताछ के लिए बुलाया था। पिछले साल एल्विश के खिलाफ नोएडा सेक्टर-39 के पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। एल्विश यादव के विरुद्ध दिल्ली-एनसीआर में पार्टियों में मनोरंजन के लिए सांप का जहर उपलब्ध कराने के आरोप में पांच अन्य लोगों के साथ मामला दर्ज किया गया था। इस संबंध में एक पशु कल्याण कार्यकर्ता ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में कई आरोपितों को भी पकड़ा था। आरोपितों ने पुलिस को बताया था कि पार्टियों में बदरपुर से सांप के जहर लाए जाते थे। मामले में एक आरोपित राहुल ने पुलिस को बताया कि वह रेव पार्टी में सांप और जहर का इंतजाम करता था, जैसी डिमांड होती थी, उसी के अनुसार सपेरे से लेकर ट्रेनर और बाकी चीजें प्रोवाइड कराता था। वह इसे दिल्ली के बदरपुर के पास के एक गांव से लाता था, जिले सपेरों का गढ़ माना जाता है।

धोखाधड़ी मामले में उन्नीस अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर, तहसीलदार दीप्ति निलंबित

बीकानेर (हिंस)। जिले के छत्तरगढ़ में करोड़ों रुपए की कृषि भूमि के गलत आवंटन में आरोपी तहसीलदार दीप्ति को जिला कलेक्टर ने निलंबित कर दिया है। दीप्ति सहित 19 सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों के खिलाफ बज्जू थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ था। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद दीप्ति को निलंबित किया गया है। खास बात ये है कि कुछ दिन पहले ही दीप्ति को बज्जू का तहसीलदार बनाया गया था। जिला कलेक्टर नमृता वृष्णि ने निलंबन के आदेश शनिवार शाम जारी किए। छत्तरगढ़ तहसीलदार ने 13 मार्च को ही दीप्ति सहित 19 तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों व पटवारियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। तब दीप्ति की पोस्टिंग नागौर के मकराना में थी, अगले ही दिन उसका तबादला बीकानेर के बज्जू में तहसीलदार पद पर हो गया। उसने 14 मार्च को ही बज्जू में ज्वाइन किया। इसके दो दिन बाद 16 मार्च को उसे सस्पेंड कर दिया गया है। आरोप है कि दीप्ति सहित कई तहसीलदारों ने पिछले पांच सालों में छत्तरगढ़ में कार्यरत रहते हुए भूमि आवंटन की गड़बड़ियों में कोई कार्रवाई नहीं की। इस मामले की जांच रिपोर्ट अब तैयार हो चुकी है। ऐसे में सभी दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जा रही है। बीकानेर कलेक्टर नमृता ने ही राज्य सरकार को पत्र भेजा था, जिसके आधार पर संबंधित कलेक्टर को कार्रवाई के निर्देश सरकार ने दिए हैं। दीप्ति बीकानेर में ही ट्रांसफर हो गई, इसलिए उनके निलंबन आदेश बीकानेर से ही जारी हो गए। राजस्व मंडल अध्यक्ष की ओर से जारी आदेश के अनुसार निलंबन काल में तहसीलदार दीप्ति का मुख्यालय राजस्व मंडल राजस्थान अजमेर निर्धारित किया गया है। उसके खिलाफ सीसीए नियम 16 के तहत विभागीय जांच कार्यवाही विचाराधीन है। छत्तरगढ़ में सरकारी भूमि बेचने के मामले में जिन 19 अधिकारियों व कर्मचारियों पर एफआईआर हुई है, उनमें दीप्ति के अलावा भी कई तहसीलदार शामिल है। एफआईआर में तहसीलदार सुरेंद्र जाखड़ (श्रीगंगानगर), तहसीलदार कुलदीप सिंह (सार्दुलशहर), नायब तहसीलदार राजेश (राजियासर), नायब तहसीलदार सरवरदीन (कोलायत), भू निरीक्षक मकसूद (सत्तासर), भू निरीक्षक मुकेश गोदारा (सत्तासर), भू निरीक्षक जसवीर (सत्तासर), भू निरीक्षक सुरेंद्र कुमार गोयल (श्रीगंगानगर), पटवारी सुशील मीणा (मोतीगढ़), वीरेंद्र सिंह (मोतीगढ़), अजेंद्र सिंह (मोतीगढ़), पटवारी जसवीर (मोतीगढ़), पटवारी देवराज (घेघड़ा), विकास पूनिया, अनीता शर्मा और पेमाराम सारण के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया।

धौलपुर में 17 अप्रेल को निकलेगी रामनवमी शोभायात्रा

धौलपुर (हिंस)। धौलपुर में राम नवमी के पर्व पर 17 अप्रेल को राम नवमी शोभा यात्रा निकाली जाएगी। रविवार को शोभायात्रा की तैयारियों के संबंध में एक बैठक का आयोजन भार्गव वाटिका में किया गया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला संघ चालक प्रोफेसर रामख्तयार सिंह ने की। बजरंग दल के जिला सह संयोजक राम शर्मा ने बताया कि प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव पर धौलपुर नगर में सभी भक्तों द्वारा शोभायात्रा निकाली जाती हैं। जिसकी व्यवस्थाओं को लेकर हर वर्ष एक संयोजक समाज के द्वारा तय किया जाता है। बैठक में सर्वसम्मति से समाज सेवी मुरारी लाल सिंघल को शोभा यात्रा का संयोजक नियुक्त किया गया। इसके साथ ही गिरीश गर्ग को समिति का संरक्षक, वीरेंद्र त्यागी को सह संयोजक, संजय पहलवान को सुरक्षा प्रमुख तथा राम शर्मा को सचिव की जिम्मेदारी दी गई। बैठक का संचालन अनुराग शर्मा ने किया।

देश की अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेजी से विकसित हो रही : राज्यपाल

रांची (हिंस)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसका लक्ष्य विकसित भारत 2047 हासिल करना है। वर्तमान में हमारे देश की अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है एवं तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। राज्यपाल रविवार को रांची के गोस्सनर कॉलेज में रांची चैप्टर ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट की ओर से कॉस्ट अकाउंटेंट द फोर्स बिहाइंड इंडिया मर्जेस एस थर्ड लार्जेस्ट इकोनामी विषय पर आयोजित वार्षिक सामारोह-2024 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसके 90 हजार सदस्य हैं और पांच लाख विद्यार्थी हैं। इन विद्यार्थियों पर देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने की अहम जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सीए का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि झारखंड प्रदेश खनिज संपदा से परिपूर्ण है लेकिन हम नीचे से दूसरे पायदान पर है। झारखंड राज्य के आर्थिक विकास के लिए हमारे सीए गंभीरतापूर्वक चर्चा करें। उन्होंने कहा कि जीएसटी के सफल कार्यान्वयन में भी सीए की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। साथ ही कहा कि सीए का क्षेत्र व्यापक है। कर संग्रह में उनकी भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता का विषय है हमारे देश में करदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई है।

होशियारपुर में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, एक पुलिसकर्मी बलिदान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के होशियारपुर जिले के मुकेरियां कस्बे में रविवार को पुलिस की सीआईए टीम की बदमाशों के साथ हुई मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी बलिदान हो गया। अधिकारियों के मुताबिक सीआईए टीम के अमृतपाल सिंह की मुठभेड़ के दौरान छाती में गोली लगने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सीआईए टीम को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति गांव मनसूरपुर में ठहरा हुआ है जिनका नाम राणा मनसूरपुर है और उसके पास हथियार है। इसी सूचना के चलते सीआईए टीम ने गांव में छापेमारी की। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में सीआईए के अमृतपाल सिंह को गोली लग गई। उनको तुरंत नजदीकी प्राइवेट अस्पताल में दाखिल करवाया गया, जहां डाक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों ने कृष्णपाल गुर्जर के पुतले की शव यात्रा निकाल किया दहन

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद लोकसभा सीट से तीसरी बार के भाजपा उम्मीदवार कृष्ण पाल गुर्जर को टिकट मिलने के बाद फरीदाबाद के अलग-अलग इलाकों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। बीती 15 मार्च को डबुआ इलाके में स्वागत समारोह में पहुंचे लोकसभा उम्मीदवार कृष्ण पाल गुर्जर को स्थानीय लोगों ने काले झंडे दिखाकर विरोध जताया गया था। रविवार को फिर फरीदाबाद के मोहना इलाके में कृष्ण पाल गुर्जर के की शवयात्रा निकाल कर दहन किया गया। इस मौके पर प्रदर्शन कर रहे ईश्वर लंबरदार ने बताया कि ग्रीन एक्सप्रेस-वे पर कट की मांग को लेकर वह लोग 5 महीने से ज्यादा समय से धरने पर बैठे हैं। बीते 3 में 2022 को पन्हेड़ा में मुख्यमंत्री एक कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए पहुंचे थे, जहां पर ग्रामीणों ने मोहना के पास ग्रीन एक्सप्रेस वे पर कट दिए जाने की मांग की थी। इस मांग का पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने समर्थन करते हुए आश्वासन दिया था कि मोहना के पास उतार-चढ़ाव के लिए ग्रीन एक्सप्रेस वे पर कट दिया जाएगा, लेकिन 5 माह से ज्यादा समय बीतने के बावजूद ग्रीन एक्सप्रेसवे पर कट नहीं दिया गया। इस कट की मांग को लेकर वह इलाके के सभी विधायक और मंत्रियों से मिल चुके हैं, लेकिन सभी की तरफ से उन्हें केवल आश्वासन दिया गया। ईश्वर नंबरदार ने बताया कि, इस मामले को लेकर ग्रामीण तीन बार केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिल चुके हैं। उन्होंने भी आश्वासन दिया था कि मोहना के पास उतार-चढ़ाव के लिए कट दे दिया जाएगा।

दर्जनों लोग भाजपा में शामिल

कठुआ (हिंस0. भाजपा की विचारधारा से प्रभावित होकर अन्य राजनीतिक दलों और आम जनमास का भाजपा में शामिल होना जारी है। रविवार को कठुआ में एक कार्यक्रम में दर्जनों लोगों ने भाजपा का दामन थामा। रविवार को कठुआ के भाजपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव जगदीप सिंह जग्गा की अध्यक्षता में एक जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा नेता अभिजीत सिंह जसरोटिया मुख्य रूप से शामिल हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए जसरोटिया ने चौधरी लाल सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार में लालू का नामो निशान नहीं रहा अब कठुआ में भी लाल पीले नहीं दिखेंगे। इससे पहले कार्यक्रम में पहुंची मातृशक्ति सहित अन्यों ने भाजपा का दामन थामा। जिनका अभिजीत सिंह जसरोटिया ने हार पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के साथ-साथ अन्य लोगों ने भाजपा का दामन थामा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की जनहित नीतियों से प्रभावित होकर इन लोगों ने भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है। इससे लोकसभा चुनाव की स्थिति साफ है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में मोदी जी के साथ-साथ कठुआ-उधमपुर से भाजपा के उम्मीदवार डॉ जितेंद्र सिंह हैट्रिक बनाएंगे।

भारत सरकार ने सीएए लागू कर वर्षों का सपना पूर्ण किया : रमेश आर्य

मुरादाबाद (हिंस)। सोनकपुर बाईपास स्थित दैनिक योग केंद्र पर केंद्र के सदस्यों की रविवार को प्रात: बैठक हुई जिसमें सभी योग साधकों ने भारत सरकार द्वारा देश में नागरिक संशोधन बिल 2019 लागू करने की सराहना की। बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा नागरिक संशोधन अधिनियम को लेकर पाकिस्तान से आए शरणार्थियों पर की गई अभद्र टिप्पणी की निंदा की गई। योग केंद्र के संचालक रमेश सिंह आर्य एडवोकेट ने कहा कि 15 अगस्त 1947 से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में हिंदुओं पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। भारत का हर नागरिक को उन पर हो रहे अत्याचारों से बहुत परेशानी होती थी और मन में भावना आती थी कि हमारा देश उनको शरण देकर उनकी जान व इज्जत बचायें तथा अपनी नागरिकता प्रदान करें। रमेश सिंह आर्य ने आगे कहा कि भारत सरकार ने सीएए लागू कर वर्षों का सपना पूर्ण किया। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बंग्लादेश का पीड़ित हर अल्पसंख्यक अब भारत में आकर अपनी अस्मिता बचा सकेगा और अपने भविष्य को सुरक्षित महसूस कर सकेंगा। वर्षों से तीनो देशों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार मानवता को नष्ट कर रहे थे। योग केंद्र के प्रमुख डॉ. भगवत शरण ने कहा कि हम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा पाकिस्तान से आए शरणार्थियों प्रति की जा रही बयान बाजी की निंदा करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं भगवान उनको सद्बुद्धि दे। इस अवसर पर रमेश सिंह आर्य, डॉ. आरपी सिंह, प्रकाश वीर, सुनील कुमार सक्सेना, अनिल कुमार शर्मा, डॉ. फूल सिंह, सोनू कुमार, धर्मेंद्र सिंह, कुलबीर सिंह आर्य, इंजीनियर शिवनंदन सिंह, मदन सिंह चौहान आदि उपस्थित रहे।

बीकानेर पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 25 लाख रुपए लागत के 50 स्मार्टफोन मोबाइल के साथ तीन गिरफ्तार

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 25 लाख रुपए के 50 स्मार्टफोन मोबाइल जब्ती के साथ तीन मुल्जिम गिरफ्तार किए हैं। विगत एक वर्ष में हो रही मोबाइल स्नेचिंग व अन्य चोरियों का पर्दाफाश करने के क्रम में पुलिस थाना जयनारायण व्यास कॉलोनी व डीएसटी टीम बीकानेर की एरिया डॉमिनेशन अभियान के तहत यह कार्रवाई की गयी। एसपी तेजस्वनी गौतम ने पत्रकारों को बताया कि महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर, रेंज बीकानेर ओमप्रकाश आईपीएस के एरिया डॉमिनेंशन अभियान के तहत दीपक शर्मा आरपीएस के निर्देशन व सहायक पुलिस अधीक्षक, वृत सदर रमेश आईपीएस के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी जेएनवीसी सुरेन्द्र पचार पुनि. व डीएसटी प्रभारी कुलदीप चारण पु.नि. के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा लगातार आसूचना सकंलन कर व पुर्व में चोरी के प्रकरणों में चालानशुदा

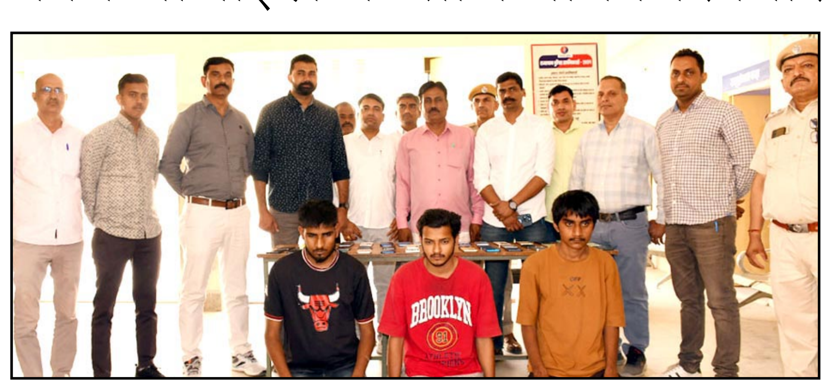

अपराधियों से पुछताछ की गई जिनमें रविवार को मुल्जिम जाहिर उर्फ बाबु उर्फ कप्तान, विश्वजित, सोहिब उर्फ भोमा को गिरफ्तार कर कब्जा से करीब 50 चोरी के स्मार्टफोन (मोबाईल) व एक जेर सवारी मोटरसाइकिल तथा मोटरसाईकिल के पार्टस बरामद किए गए है। मुल्जिमानों से पुछताछ में मुल्जिमानों ने शहर बीकानेर में विगत 01 वर्ष मे करीब 150 मोबाइल छिनने व 20-25 मोटरसाइकिल चुराना की वारदातें करना स्वीकार किया है। इस सम्बन्ध में पृथक से गहनता से अनुसंधान जारी है।

कभी रसोई की शान था केरोसिन, फिर यह घर और बाजार से गायब क्यों हो गया

नई दिल्ली।
एक वक्त था, जब केरोसिन यानी मिट्टी का तेल या फिर घासलेट गांव के हर घर का जरूरी हिस्सा था। लालटेन से लेकर खाना पकाने वाले स्टोव तक इसका इस्तेमाल होता था। फणीश्वरनाथ रेणु ने अपनी कहानी पंचलाइट में भी केरोसिन का जिक्र बड़ी खूबसूरती से किया है। इसे सरकारी राशन की दुकानों पर रियायती दाम पर भी बेचा था। लेकिन, अब यह बाजार में खोजने पर भी नहीं मिलता। लेकिन पिछले एक दशक में तस्वीर बिल्कुल बदल गई है। अब तो रसोई से केरोसिन का डिब्बा बिल्कुल ही गायब हो गया है। सरकारी आंकड़े भी यही बताते हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की लेटेस्ट रिपोर्ट बताती है कि 2013-14 से 2022-23 के बीच मिट्टी के तेल की खपत में सालाना आधार पर करीब 26 फीसदी भारी गिरावट आई है। क्यों घटा केरोसिन का इस्तेमाल केरोसिन काफी किफायती था, लेकिन दूसरे पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की तरह इससे भी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता था। ऐसे में जब सरकार ने क्लीन एनर्जी को बढ़ावा दिया, तो उसकी पहली मार केरोसिन पर पड़ी। लोग खाना पकाने के लिए केरोसिन से अधिक गैस सिलेंडर को तरजीह देने लगे। केरोसिन का उजाला देने वाले लालटेन, पेट्रोमैक्स या फिर सामान्य दीये में भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल था। लेकिन, सरकार ने घर-घर बिजली पहुंचाने वाली योजना चलाई। इमरजेंसी लाइट, इनवर्टर और सोलर पैनल जैसे वैकल्पिक उपायों का भी चलन बढ़ा। इससे लोगों की केरोसिन पर निर्भरता ना के बराबर हो गई। सब्सिडी खत्म होने से सबसे तगड़ी चोट केरोसिन के ताबूत में आखिरी कील थी उस पर मिलने वाली सब्सिडी का खत्म होना। सरकार ने 2019 में राशन की दुकानों पर केरोसिन की बिक्री बंद कर दी। साथ ही इस सब्सिडी भी खत्म कर दी। इससे खुले बाजार में केरोसिन का भाव आसमान पर पहुंच गया। इसका इस्तेमाल व्यावहारिक रह ही नहीं गया। ऐसे में आम लोगों ने केरोसिन का उपयोग एकदम बंद ही कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

अरुणाचल प्रदेश में पहली ऑयल पाम इकाई शुरू, स्थानीय लोग उत्साहित

नई दिल्ली। मिशन पाम ऑयल के तहत अरुणाचल प्रदेश में देश की पहली एकीकृत ऑयल पाम प्रसंस्करण इकाई का परिचालन शुरू हो गया। दरअसल, भारत वर्तमान में कुल खाद्य तेल का 57 प्रतिशत विदेशों से आयात करता है। ऐसे में नरेंद्र मोदी सरकार का लक्ष्य है कि देश में तिलहन और पाम तेल को बढ़ावा देकर खाद्य तेल के उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनाया जाए। 3एफ ऑयल पाम कंपनी अपनी शुरुआत के साथ कई तरह की नौकरी के अवसरों को पैदा करने वाला और क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत करने वाला है। इस संयंत्र के शुरू होने से स्थानीय लोग बहुत खुश हैं क्योंकि इससे उनके लिए नौकरियों और रोजगार सृजन के कई अवसर पैदा होंगे। इसको लेकर वहां के स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि कारखाना ग्रामीणों के लिए रोजगार पैदा करेगा, हम यहां काम कर सकते हैं और अपनी आजीविका के लिए पैसा कमा सकते हैं। एक अन्य ग्रामीण ने क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने और रोजगार के ऐसे अवसर पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। विशेष रूप से, यह अरुणाचल प्रदेश में पहली ऑयल पाम फैक्ट्री है। इसके साथ ही यह राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम(एनएमईओ-ओपी) के तहत भी भारत की पहली ऑयल पाम फैक्ट्री है। 9 मार्च को अरुणाचल प्रदेश में विकसित भारत-विकसित पूर्वोत्तर कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पाम ऑयल इकाई का उद्घाटन किया था और खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए उत्तर-पूर्व पर विशेष ध्यान देने के साथ मिशन ऑयल पाम पर सरकार के फोकस के बारे में भी बताया था। उन्होंने कहा था, मिशन ऑयल पाम खाद्य तेल क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाएगा और किसानों की आय को बढ़ाएगा। इसके साथ ही उन्होंने ताड़ (पाम) की खेती करने के लिए किसानों का आभार व्यक्त किया। एनएमईओ-ओपी अगस्त 2021 में लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य पाम तेल की खेती को बढ़ाना और 2025-26 तक पाम तेल उत्पादन को 11.20 लाख टन तक करने का लक्ष्य है। एनएमईओ-ओपी ने पाम ऑयल के प्रसार के लिए 11,040 रुपये के कुल राष्ट्रीय बजट में से विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए 5,870 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसमें केंद्र सरकार 90 फीसदी योगदान करेगी। ऑयल पाम मिशन को रणनीतिक रूप से नए भौगोलिक क्षेत्रों में ताड़ की खेती को बढ़ावा देने और किसानों को व्यापक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, क्योंकि पाम ऑयल उत्पादन का दायरा 6 एनईआर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा तक फैला हुआ है। यहां कुल 8.4 लाख हेक्टेयर भूमि पर पाम उगाया जाता है, जो देश के कुल पाम उत्पादन का 38 प्रतिशत है। इसके लिए इस क्षेत्र में 30 से अधिक नर्सरी स्थापित की जा चुकी है। एनएमईओ-ओपी के तहत, किसानों को इस खेती से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं के साथ चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रति हेक्टेयर 1,00,000 रुपये की विशेष सहायता दी जाती है। इसके अलावा यह मिशन किसानों को ताड़ की खेती में प्रयुक्त कटाई उपकरणों की खरीद के लिए 2,90,000 रुपये भी प्रदान कर रहा है। बता दें कि राष्ट्रीय मिशन- ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) योजना वर्तमान में देशभर के 15 राज्यों में जारी है।

अदाणी ग्रुप पर रिश्वतखोरी की आशंका में जांच जारी

मुंबई। अदाणी ग्रुप को लेकर जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार अमेरिका अदाणी समूह के संस्थापक गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों के रिश्वतखोरी में शामिल होने का आंशका पर जांच कर रही है। ब्लूमबर्ग ने मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाला से लिखा है कि जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या अदाणी समूह या गौतम अदाणी सहित कंपनी से जुड़े लोग, एक एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए अधिकारियों को रिश्वत देने में शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय और वाशिंगटन में न्याय विभाग की फ्रॉड यूनिट इस जांच का काम संभाल रही है, और इस मामले में रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी एज़्योर पावर ग्लोबल पर भी नजर रख रही है। इस मामले में अदाणी ग्रुप ने ब्लूमबर्ग को बताया कि हमें अपने चेयरमैन के खिलाफ किसी जांच की जानकारी नहीं है।

ग्राहक का ऑर्डर कैंसल करना फ्लिपकार्ट को पड़ा भारी, अब देने होंगे 13 हजार रुपये

मुंबई।
उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने फ्लिपकार्ट पर कुल 13 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। दरअसल, कंपनी को अनुचित व्यापार व्यवहार और मानसिक प्रताड़ित करने का दोषी पाया गया है। बताया जा रहा है कि एक ग्राहक ने आईफोन ऑर्डर किया था, जिसे बाद में कंपनी ने कैंसल कर दिया, इससे शख्स को मानसिक प्रताड़िना झेलनी पड़ी।

मध्य मुंबई के जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने पिछले महीने आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि फ्लिपकार्ट ने अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए ऑर्डर कैंसल किया था, जो सेवा में कमी और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा अपनाए गए अनुचित व्यापार व्यवहार के बराबर है। आयोग का विस्तृत आदेश उपलब्ध हुआ। आयोग ने कहा कि हालांकि ग्राहक को उसका पैसा वापस मिल गया था, लेकिन एकतरफा ऑर्डर कैंसल होने की वजह से उसे मानसिक उत्पीड़न के लिए मुआवजा देने की जरुरत है।

दादर का रहने वाला शिकायतकर्ता

शिकायतकर्ता दादर का रहने वाला है। उसने बताया कि उसने 10 जुलाई, 2022 को फ्लिपकार्ट से एक आईफोन ऑर्डर किया, जिसका पेमेंट क्रेडिट कार्ड के जरिए किया था। कुल 39,628 रुपये का भुगतान किया था। 12 जुलाई तक फोन डिलीवर होना था, लेकिन छह दिन बाद उसे एक मैसेज आया कि ऑर्डर कैंसल कर दिया गया है।

शख्स ने बताया कि जब उसने कंपनी से संपर्क किया तो बताया गया कि डिलीवरी बॉय ने कई बार ऑर्डर देने का प्रयास किया था, लेकिन वह उपलब्ध नहीं था, इसलिए ऑर्डर कैंसल कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने कहा कि ऑर्डर कैंसल होने से सिर्फ नुकसान नहीं, बल्कि मानसिक प्रताड़ना भी झेलनी पड़ी। साथ ही उसे ऑनलाइन धोखाधड़ी का भी सामना करना पड़ा।

शिकायतकर्ता ने फ्लिपकार्ट के डिलीवरी पार्टनर इकार्ट लॉजिस्टिक्स पर भी आरोप लगाए। हालांकि, आयोग ने माना कि यह एक डिलीवरी पार्टनर है और शिकायतकर्ता व लॉजिस्टिक्स फर्म के बीच कोई उपभोक्ता और सेवा प्रदाता संबंध नहीं है।

फ्लिपकार्ट ने दिया लिखित जवाब

फ्लिपकार्ट ने लिखित जवाब दिया कि शिकायतकर्ता ने प्लेटफॉर्म को गलत समझ लिया है। उसने इसे उत्पाद के विक्रेता के रूप में ले लिया है, जबकि यह केवल एक मध्यस्थ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के रूप में काम करता है। प्लेटफॉर्म पर सभी उत्पादों को तीसरे पक्ष द्वारा बेचा जाती है। कंपनी ने कहा था कि इस मामले में विक्रेता इंटरनेशनल वैल्यू रिटेल प्राइवेट लिमिटेड था और शिकायतकर्ता और विक्रेता के बीच किए गए पूरे लेनदेन में फ्लिपकार्ट की कोई भूमिका नहीं थी।

कंपनी ने दावा किया कि उसने विक्रेता को शिकायतकर्ता की शिकायत के बारे में जानकारी दी थी। विक्रेता ने बताया था कि डिलीवरी बॉय ने उत्पाद को पते पर पहुंचाने के कई बार प्रयास किए थे, लेकिन शिकायतकर्ता उपलब्ध नहीं था, इसलिए ऑर्डर कैंसल करना पड़ा। कंपनी ने आगे कहा कि ग्राहक का पैसा वापस कर दिया गया था। विवाद केवल शिकायतकर्ता और विक्रेता के बीच है और फ्लिपकार्ट के खिलाफ कार्रवाई का कोई कारण नहीं है।

आयोग ने यह कहा

हालांकि, आयोग ने कहा कि ऑर्डर को ई-कॉमर्स कंपनी द्वारा कैंसल कर दिया गया था, वह भी तब जब शिकायतकर्ता लगातार उसके संपर्क में था और उसे आश्वासन दिया गया था कि उसकी चिंता पर गौर किया जा रहा है। साथ ही यह भी कहा कि फ्लिपकार्ट ने उसके द्वारा या विक्रेता द्वारा सेवा के कई प्रयासों के बारे में कोई सबूत पेश नहीं किया है, जैसा कि दावा किया गया है।

आयोग ने कहा कि फ्लिपकार्ट ने स्वीकार किया है कि ऑर्डर कैंसल दिया गया था और शिकायतकर्ता को नया ऑर्डर देने के लिए कहा गया था। इससे शिकायतकर्ता का केस मजबूत हो गया। आयोग ने कहा कि जिस सामान का ऑर्डर किया गया था उसकी कीमत सात हजार रुपये बढ़ गई थी, इसलिए उसे नया ऑर्डर देने के लिए कहा गया। आयोग ने कहा कि फ्लिपकार्ट ने अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए जानबूझकर ऐसा किया है, जो सेवा में कमी, अनुचित और प्रतिबंधात्मक व्यापार नियमों को अपनाने के बराबर है। आगे कहा गया कि हालांकि शिकायतकर्ता को रिफंड मिल गया है, लेकिन उसे मानसिक प्रताड़ना लिए मुआवजा दिया जाना चाहिए जो फ्लिपकार्ट के ऑर्डर कैंसल करने से उसे हुई। आयोग ने फ्लिपकार्ट को शिकायतकर्ता को हुई मानसिक प्रताड़ना के लिए मुआवजे के रूप में 10,000 रुपये और लागत के रूप में 3,000 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया।

भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले वर्ष रिकॉर्ड एक लाख पेटेंट प्रदान किए, जीआई पंजीकरण में भी वृद्धि

नई दिल्ली।
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि पेटेंट कार्यालय ने एक वर्ष के भीतर अभूतपूर्व एक लाख पेटेंट प्रदान किये हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, अकेले वित्तीय वर्ष 2023-24 में, पेटेंट कार्यालय को अब तक के उच्चतम 90,300 पेटेंट आवेदन प्राप्त हुए। पेटेंट कार्यालय ने पिछले 1 वर्ष (15-मार्च-2023 से 14-मार्च-2024) में एक लाख से अधिक पेटेंट प्रदान किए। मंत्रालय ने कहा कि प्रत्येक कार्य दिवस पर 250 पेटेंट दिए गए। पेटेंट अनुदान के साथ-साथ, जीआई पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में तीन गुना वृद्धि दर्शाती है। वर्तमान में, भारत में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 98 नए पंजीकरण के साथ 573 पंजीकृत जीआई हैं। इसके अतिरिक्त, कॉपीराइट पंजीकरण रिकॉर्ड तोड़ 36,378 तक पहुंच गया है, जो रचनात्मक क्षेत्र के भीतर विशाल संभावनाओं को रेखांकित करता है। डिजाइन के क्षेत्र में, वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक की सबसे अधिक संख्या में पंजीकरण हुए। साथ ही कुल 27,819, साथ ही 30,450 आवेदनों का अंतिम निपटान हुआ। जम्मू-कश्मीर एससीईआरटी और भारतीय आईपी कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित टॉयकैथॉन जैसी उल्लेखनीय पहल ने जम्मू-कश्मीर के स्कूली छात्रों द्वारा 115 उपन्यास डिजाइनों के पंजीकरण की सुविधा प्रदान की है। ट्रेड मार्क्स ने सुरक्षा में दिखाई तेजी ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री ने भी सुरक्षा में तेजी लाने के अपने प्रयासों को दोगुना कर दिया है और ट्रेडमार्क आवेदन प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर परीक्षा रिपोर्ट जारी करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके समानांतर में, राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अकादमी (एनआईपीएएम) ने पिछले दो वर्षों में 7,000 से अधिक संस्थानों में 24 लाख युवाओं, विशेष रूप से छात्रों और शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करके आईपी जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सैमसंग ने लांच किए दो नए स्मार्टफोन्स, तगड़ी बैटरी के साथ है जबरदस्त डिस्प्ले

नई दिल्ली।
भारत में सैमसंग ने अपने दो नए स्मार्टफोन्स गैलेक्सी ए 55 और गैलेक्सी ए 35 को लॉन्च कर दिया है। दोनों ही फोन्स में 120 एचझेड सुपर अमोलेड डिस्प्ले और 50एमपी प्राइमरी कैमरा और 5एमपी मैक्रो कैमरा दिया गया है। इनमें 5000 एमएएच की बड़ी बैटरी के साथ 25वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी दिया गया है। इन फोन्स को इस हफ्ते की शुरुआत में पेश किया गया था। इनकी बिक्री भारत में शुरू भी कर दी गई है। सैमसंग गैलेक्सी ए35 को ऑसम आइसब्लू, ऑसम लिलैक और ऑसम नेवी कलर ऑप्शन में उतारा गया है। वहीं, ए 55 को केवल ऑसम आइसब्लू और ऑसम नेवी कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। कीमत की बात करें तो गैलेक्सी ए35 के 8जीबी + 128जीबी वेरिएंट की कीमत 30,999 रुपये और 8अ + 256जीबी वेरिएंट की कीमत 33,999 रुपये रखी गई है। वहीं, गैलेक्सी ए55 के 8जीबी + 128जीबीवेरिएंट की कीमत 39,999 रुपये, 8जीबी + 256जीबी वेरिएंट की कीमत 42,999 रुपये और 12जीबी + 256जीबी वेरिएंट की कीमत 45,999 रुपये तय की गई है। इन दोनों ही फोन्स को सैमसंग एक्सक्लूसिव और पार्टनर स्टोर्स, सैमसंग की वेबसाइट और दूसरे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से ही खरीदा जा सकता है। चुनिंदा क्रेडिट और डेबिट कार्ड्स पर ग्राहकों को 3,000 रुपये का इंस्टैंट डिस्काउंट भी दिया जा रहा है।इस फोन में 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.6-इंच एफएचडी+ (2340 गुणा 1080 पिक्सल) सुपर अमोलेड इनफिनिटी-ओ एचडीआर डिस्प्ले, माली-68 एमपी 5 जीपीयू के साथ ऑक्टा-कोर (2.4 जीएचझेड क्वाड ए78 + 2जीएचझेड क्वाड ए55 सीपीयूएस) एक्सीनोस 1380 प्रोसेसर, एंड्रॉयड बेस्ड सैमसंग वन यूआई 6.1, 50 एमपी प्राइमरी कैमरा, 8एमपी अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा, 5एमपी मैक्रो कैमरा, 13एमपी फ्रंट कैमरा, इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर, 5000 एमएएच की बैटरी और 25वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

केंद्रीय बैंकों के नीतिगत फैसले शेयर बाजार को प्रभावित करेंगे, रुपए की चाल, पर प्रतिफल और कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव पर भी नजर रहेगी

मुंबई।
रूस की तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन के ड्रोन हमले के साथ ही अमेरिका में महंगाई की दर अनुमान से अधिक रहने के बाद फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती शुरू करने को लेकर बढ़ी चिंता के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई भारी बिकवाली से बीते सप्ताह दो प्रतिशत की गिरावट देख चुके घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह विश्व के कई केंद्रीय बैंकों की नीतिगत दरों को लेकर होने वाली बैठकों के निर्णय का असर रहेगा। इसके अलावा वैश्विक बाजारों का रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट, विदेशी कोषों की निकासी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि सप्ताह के दौरान दुनिया के कई केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति पर अपने रुख की घोषणा करेंगे। ऐसे में निकट अवधि में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह मौद्रिक नीति पर सभी का ध्यान रहेगा। फेडरल रिजर्व की दो दिन की नीतिगत बैठक 19 मार्च को शुरू होने जा रही है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक 20 मार्च को ब्याज दरों पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा चीन एक साल और पांच साल के कर्ज पर प्रमुख दरों की घोषणा करेगा। बैंक ऑफ जापान (बीओजे) 19 मार्च को ब्याज दर पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। जापान 22 मार्च को ही मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी करेगा।

चीन में लोकतंत्र नहीं, इसलिए उसकी भारत जैसे मूल्यों वाले देश से तुलना सही नहीं, सीतारमण की दो टूक

नई दिल्ली।
भारत की तुलना चीन से करने वालों की आलोचना करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत जैसे मूल्यों वाले देश की तुलना चीन से करना सही नहीं, क्योंकि चीन में लोकतंत्र नहीं है। उन्होंने कहा है कि भारत को आर्थिक मामलों में आत्मनिर्भरता हासिल करनी चाहिए। इसे आर्थिक शक्ति बनना चाहिए।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल करने के लिए वर्तमान में आर्थिक स्वतंत्रता की आवश्यकता है और आश्वासन दिया कि देश निकट भविष्य में विश्व अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

सामुहिक प्रयासों से हमारा देश 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा - श्रीमती इंदिरा गांधी कॉलेज में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद सीतारमण ने कहा, देश वैश्विक रैंकिंग में 10वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गया है और कुछ साल बाद हम तीसरा स्थान हासिल करेंगे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित छात्रों से राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने की अपील करते हुए कहा, आप जैसे छात्रों के प्रयासों से हमारा देश 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा।

कुछ लोगों की ओर से चीन की प्रगति और भारत के साथ तुलना करने का जिक्र करते हुए सीतारमण ने कहा कि दोनों देश 30 साल पहले एक स्तर पर थे। उन्होंने कहा, उन्होंने (चीन) विभिन्न कारणों से प्रगति की है, जिसका यहां पालन नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए, चीन में कोई लोकतंत्र नहीं है। लेकिन हमारे पास नागरिक स्वतंत्रता है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता यहां है और हमारी प्रणाली में मूल्य निहित हैं। एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए, हमें सकारात्मक रूप से सोचना चाहिए। सीतारमण ने करीब 400 साल पहले भारत के एक समृद्ध देश होने का जिक्र करते हुए कहा कि आज भी इंडोनेशिया और अन्य पूर्वी एशियाई देशों में भारत के संबंधों का संदर्भ मिलता है। चोल इंडोनेशिया गए थे और वहां एक राज्य स्थापित किया था। आज भी इसके संदर्भ मौजूद हैं। सीतारमण ने कहा कि मैं यह कहने का प्रयास कर रही हूं कि आज के दिन जब हम महात्मा गांधी को याद करते हैं, हमें आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करनी चाहिए और साम्राज्यवादी ताकतों से मुक्त होना चाहिए। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने भाषणों में आपके (छात्रों के) सभी योगदान के साथ देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आत्मनिर्भर भारत (अभियान) के बारे में बात करते हैं।

डिजिटल प्रौद्योगिकी के माममें दुनिया हमें उदाहरण के तौर पर देख रही - भारत को पारंपरिक रूप से संस्कृति में समृद्ध बताते हुए उन्होंने कहा कि कई लोगों ने इस देश की विरासत की सराहना की है। सीतारमण ने कहा, करीब 20 साल पहले कई देश टिप्पणी कर रहे थे कि भारत सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश है। लेकिन आज दुनिया के अधिकांश राष्ट्र यह देखकर चकित हैं कि हमने डिजिटल प्रौद्योगिकी के बुनियादी ढांचे का उपयोग करके कैसे प्रगति की है। वे डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने में भारत को एक उदाहरण के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि इस साल जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए भारत से अध्यक्षता लेने वाले ब्राजील के एक शीर्ष मंत्री ने भी अपने देश में डिजिटल प्रौद्योगिकी अवसंरचना के मामले में भारत से मेल पर संदेह जाहिर की थी। सीतारमण ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में डिजिटल प्रौद्योगिकी का मतलब भुगतान से जुड़ी सुविधाओं के बारे में नहीं है बल्कि यह कोविड-19 महामारी के दौरान हुई क्रांति के बारे में भी है जब मोबाइल फोन के माध्यम से टीकाकरण की स्थिति से जुड़े डिजिटल प्रमाणपत्र जारी किए गए। उस दौरान आप अपने मोबाइल फोन में प्रमाण पत्र के साथ समय, तारीख, स्थान, और आपको कौन सा टीका दिया गया इसकी जानकारी प्राप्त करने में सक्षम थे। उन्होंने कहा, हम हर क्षेत्र में डिजिटल का इस्तेमाल कर रहे हैं। न केवल भुगतान के लिए, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में भी इसका इस्तेमाल हो रहा है। पिछले 10 वर्षों में भारत में कई विकास कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

महिलाएं खेतों में ड्रोन चलाकर डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रहीं - वित्त मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अपने खेतों के विकास के लिए ड्रोन चलाकर डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने कहा, जबकि किसी महिला का भाई खेतों में ट्रैक्टर चलाता है, महिला ड्रोन का उपयोग करके उर्वरक फैलाती है। इतना ही नहीं, वे अपने उत्पाद को अपने फोन से वैश्विक बाजारों में भी बेच सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक से पहले भारतीय हॉकी टीम में हुआ बड़ा बदलाव, दिग्गज को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक 2024 से पहले भारतीय हॉकी टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। पुरुष टीम की तैयारियों में मदद के लिए नीदरलैंड के गोलकीपिंग विशेषज्ञ डेनिस वान डी पोल की एक बार फिर सहयोगी स्टाफ में वापसी हुई है। वान डी पोल इससे पहले भी भारतीय गोलकीपरोंखाना चाहिए के साथ काम कर चुके हैं। पहली बार वह 2019 में भारतीय टीम से जुड़े थे।

भारतीय टीम फिलहाल भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग ले रही है। वान डी पोल शिविर से जुड़कर तीनों गोलकीपर पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक और सूरज करकेरा के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें आगामी प्रतियोगिता के लिए तैयार करेंगे।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष का बयान

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की देखरेख में 10 दिवसीय विशेष गोलकीपिंग शिविर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम के रवाना होने से एक सप्ताह पहले 26 मार्च को समाप्त होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण चरण है। ओलंपिक में फिर से पोडियम पर पहुंचने की उनकी कवायद में हॉकी इंडिया सुनिश्चित कर रहा है कि उन्हें सभी तरह की आवश्यक सुविधाएं मिलें।

डेनिस की वापसी पर क्या बोले टिर्की

वान डी पोल ने पिछले साल एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम के लिए जुलाई और सितंबर में दो विशेष शिविर आयोजित किए थे। टिर्की ने आगे कहा, हमें डेनिस को टीम से जोड़कर खुशी हो रही है जो लगभग चार वर्षों से गोलकीपरों के इस समूह के साथ काम कर रहे हैं तथा जानते हैं कि उन्हें बेहतर बनाने के लिए किस तरह के बदलाव करने की जरूरत है।

न्यूज ब्रीफ

लोकसभा चुनाव के बावजूद भारत में ही होगा पूरा आईपीएल 2024, बीसीसीआई आगे का कार्यक्रम करेगा तय

नई दिल्ली। आईपीएल का 17वां सत्र 22 मार्च से शुरू हो जाएगा। बीसीसीआई ने देश में होने वाले लोकसभा चुनाव के कारण अब तक पहले चरण के मैचों की ही घोषणा की है। चुनाव की तिथियां घोषित होने के बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पुष्टि की कि आईपीएल के दूसरे चरण के मैच भी देश में ही होंगे। भारत में हुए वनडे विश्व कप के दौरान ही आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने दैनिक जागरण को बता दिया था कि लोकसभा चुनाव के बावजूद आईपीएल देश में ही खेला जाएगा। 2019 में भी देश में ही खेला गया था पूरा सत्र निर्वाचन आयोग ने शनिवार को बताया कि इस वर्ष सात चरणों में मतदान होंगे, जिसमें पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को किया जाएगा। वहीं, चार जून को मतगणना की जाएगी। 2019 में हुए लोक सभा चुनाव के दौरान भी बीसीसीआई को ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था, तब भी पूरा सत्र देश में ही खेला गया था। बीसीसीआई ने इससे पहले आईपीएल 2024 के पहले चरण के लिए 22 मार्च से सात अप्रैल तक होने वाले शुरुआती 21 मैचों का कार्यक्रम साझा किया था। आईपीएल शुरू होने में अब केवल पांच दिन शेष है। ऐसे में टीमों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। खिलाड़ी अपनी टीमों के शिविर से जुड़ गए हैं। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच चेन्नई सुपरकिंग्स और रायल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला जाएगा। आगे का कार्यक्रम होगा तय वहीं एक और बीसीसीआई सूत्र ने कहा कि अब चुनाव कार्यक्रम आ गया है। उसके आधार पर हम आगे का कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं। सात चरण में मतदान हैं, ऐसे में जहां पर जिस चरण में मतदान होंगे वहां पर हम उस समय मैच नहीं कराएंगे। उदाहरण के तौर पर जब लखनऊ, कोलकाता में मैच होंगे तब हम अहमदाबाद या दिल्ली में मुकाबले करा सकते हैं।

बेटे के जन्म के बाद स्वदेश लौटे विराट, पहली बार मुंबई हवाईअड्डे पर देखे गये

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली लंदन में बेटे अकाय के जन्म के बाद स्वदेश पहुंच गये हैं। विराट पिछले कुछ सप्ताह से अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका के साथ लंदन में ही थे। बच्चे के जन्म के कारण ही वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भी बाहर थे। उन्हें बेटे अकाय के जन्म के बाद पहली बार मुंबई हवाईअड्डे पर देखा गया। वह 22 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के प्रशिक्षण शिविर में भी शामिल होंगे। विराट दूसरी बार पिता बने हैं। उन्होंने 20 फरवरी को अपने नवजात बेटे की खबर की घोषणा की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, अत्यधिक खुशी और प्यार से भरे दिलों के साथ हम सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 15 फरवरी को, हमने अपने बच्चे अकाय और वामिका के छोटे भाई का इस दुनिया में स्वागत किया! हम इस खूबसूरत समय में आपका आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहते हैं।

आईपीएल में इस बार कमेंट्री करने जा रहे रायडू बोले, धोनी पूरे सत्र में खेलेंगे

मुंबई । पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू इस बार इंडियन प्रीमियर लीग में कमेंट्री करते नजर आयेंगे। रायडू ने पिछले साल आईपीएल के बाद ही खेल के तीनों प्रारुपों को अलविदा कह दिया था। रायुडू ने भारत के लिए 55 वनडे इंटरनेशनल मैच और 6 टी20 मुकाबले खेले है। उन्होंने आईपीएल में कई सत्र सीएसके की ओर से खेले हैं। उनका आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ बेहतरीन प्रदर्शन 2018 में आया जब उन्होंने कुल 602 रन बनाए थे। उनका मानना है कि सीएसके टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इस पूरे सत्र में सीएसके के लिए खेलेंगे। इस पूर्व बल्लेबाज का कहना है कि अगर धोनी ने इस सीजन में खेलने का फैसला किया है और अगर वह 10 फीसदी भी फिट है तो भी वह पूरा सत्र खेलेगा। उसे पता है, चोट उसे खेल से बाहर नहीं रख सकती। इससे पहले भी उसने कई चोटों के बावजूद खेला है। पिछले सीज़न के दौरान भी, वह घुटने की चोट के साथ खेल रहे थे, इसलिए मुझे नहीं लगता कि कोई भी चीज उन्हें इस पूरे सीजन में खेलने से रोकेगी। रायडू ने 17 वें सत्र में सीएसके के लिए प्रशंसकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सीएसके का सीएसके होना ही प्रशंसकों से सबसे बड़ा जुड़ाव है। वे बहुत मिलनसार हैं, यहां तक कि जब आप किसी होटल में ठहर रहे हों, तो भी लोग आएंगे और आपके साथ तस्वीरें खिंचवाएंगे, प्रशंसक आएंगे और आपसे मिलेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने वाले इस एथलीट की शर्मनाक हरकत, राष्ट्रीय शिविर से हुए बाहर

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक को होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है और सभी एथलीट अपना बेस्ट प्रदर्शन करने के लिए पूरी तैयारियां कर रहे हैं। इसके लिए कई स्थानों पर राष्ट्रीय शिविर आयोजित किए गए हैं जहां खिलाड़ी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। 2022 राष्ट्रमंडल खेल और 2023 एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन के बाद देश की उम्मीदें एथलीटों से बढ़ गई हैं। इस बीच बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारोत्तोलक अचिंत शिउली शर्मनाक हरकत करते हुए पकड़े गए हैं। मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक, शिउली को एनआईएस पटियाला में रात में महिला होस्टल जाते वक्त पकड़ा गया है।

इस हरकत के बाद उन्हें पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए लगाए गए राष्ट्रीय शिविर से भी बाहर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह घटना रात की है। मामला सामने आने के बाद भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह की अनुशासनहीनता कतई बर्दाशत नहीं जाएगी। शिउली को तुरंत शिविर से जाने के लिए कहा गया है। पुरुषों के 73 किग्रा वर्ग में उतरने वाले 22 वर्ष के शिउली को सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा और उनका वीडियो भी बनाया।

वीडियो से नहीं मिले साक्ष्य

शिउली की इस हरकत के बाद भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और एनआईएस पटियाला के कार्यकारी निदेशक विनीत कुमार को इसकी जानकारी दी गई। हालांकि सुरक्षाकर्मियों

ने जो वीडियो बनाया था उसमें शिउली के खिलाफ साक्ष्य नहीं मिले जिसके कारण साई ने जांच समिति का गठन नहीं किया। पटियाला में लड़के और लड़कियों के लिए अलग हॉस्टल है। इस समय महिला मुक्केबाज, एथलीट और पहलवान एनआईएस पटियाला में है।

जेरेमी लालरिनुगा को भी शिविर से हटाया गया था

शिउली पहले भारोत्तोलक नहीं है जिन पर अनुशासनहीनता के कारण राष्ट्रीय शिविर से हटाया गया है। उनसे पहले भारोत्तोलन महासंघ ने राष्ट्रमंडल और युवा ओलंपिक चैंपियन जेरेमी लालरिनुगा को भी इसी वजह से राष्ट्रीय शिविर से हटाया था।

शिउली की पेरिस ओलंपिक की उम्मीदें धूमिल

राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद शिउली से पेरिस ओलंपिक में बेहतर परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद बढ़ गई थी, लेकिन शिउली इस महीने थाईलैंड के फुकेट में आईडब्ल्यूएफ विश्व कप नहीं सकेंगे जो पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए अनिवार्य था। इसके साथ ही शिउली की ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें भी धूमिल हो गई। अभी तक टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू (49 किग्रा) और राष्ट्रमंडल खेल रजत पदक विजेता बिंदियारानी देवी पेरिस ओलंपिक की दौड़ में है।

टी20 विश्वकप जीतने टीम में विराट का होना जरुरी : श्रीकांत

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर एस श्रीकांत ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का आगामी टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम में होना जरुरी है। श्रीकांत ने ये बात उन अटकलों को लेकर कही है जिसमें अंदाजा लगाया गया है कि विराट को टी20 विश्व कप के लिए टीम में शायद ही जगह मिले। विराट अभी निजी कारणों से खेल से दूर हैं और वह आईपीएल से मैदान पर वापसी करेंगे। श्रीकांत ने कहा, कोई सवाल ही नहीं उठता कि आप विराट के बिना टी20 विश्व कप में भाग लें। साथ ही कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी थे जो भारत को 2022 के टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल तक लेकर गए थे। ऐसे में ये कहना गलत है कि उन्हें टीम में जगह नहीं मिलेगी। अगर भारतीय टीम को टी20 विश्व कप जीतना है तो विराट को शामिल किया जाना जरुरी है। 1983 विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे श्रीकांत ने कहा, आपको मैदान पर एक ऐसे खिलाड़ी की जरूरत होगी। जो अंत तक बल्लेबाजी कर सके। हर टीम को एक एंकर की जरूरत होती है फिर चाहे वह टी20 विश्वकप हो या फिर एकदिवसीय विश्वकप। विराट के बिना टीम आगे नहीं बढ़ सकती। हमें विराट की जरूरत पड़ेगी। विराट ने अब तक भारत के लिए कुल 117 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 2922 रन निकले हैं। टी20 अंतराष्टीय में विराट का स्ट्राइक रेट 138 का रहता है जबकि उनका औसत 51 के करीब रहता है। दूसरी ओर उनके आलोचकों का मानना है कि विराट का टी20 में प्रदर्शन प्रभावशाली नहीं रहा है। इसके साथ ही वह एकदिवसीय विश्वकप के बाद से ही टीम से बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह किसी युवा को अवसर दिया जाना चाहिये।

आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस का 4.60 करोड़ रुपये वाला खिलाड़ी हुआ चोटिल, वर्ल्ड कप 2023 में मचाया था गदर

नई दिल्ली।
श्रीलंका के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। मदुशंका आईपीएल 2024 के शुरुआती कुछ मैचों में मुंबई इंडियंस को अपनी सेवाएं नहीं दे पाएंगे।

तेज गेंदबाज को बांग्लादेश के खिलाफ चट्टोग्राम में खेले गए दूसरे वनडे में बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। बांग्लादेश के खिलाफ दो वनडे में मदुशंका ने चार विकेट झटके थे। दोनों मैचों में उन्होंने लिटन दास का विकेट लिया था। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज का एमआरआई स्कैन हुआ और वो रिहैब के लिए लौट चुके हैं।

मुंबई इंडियंस की चिंता बढ़ी

मदुशंका को वर्ल्ड कप 2023 में शानदार प्रदर्शन के कारण मुंबई इंडियंस ने खरीदा था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 8 मैचों में 21 विकेट चटकाए थे, जिसमें एक पारी में पांच विकेट लेना शामिल है। हालांकि, श्रीलंकाई टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सकी।

आईपीएल 2024 की नीलामी में मदुशंका की बेस प्राइस 50 लाख रुपये थी। लखनऊ सुपरजायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच गेंदबाज को खरीदने के लिए जंग हुई थी। आखिरकार, मुंबई इंडियंस की टीम ने 4.60 करोड़ रुपये में मदुशंका को खरीदा था।

मुंबई के पास विकल्प

मुंबई इंडियंस के पास मदुशंका के अलावा जेसन बेहरनडोर्फ और नुवान थुषारा विदेशी तेज गेंदबाजी विकल्प के रूप में मौजूद हैं। मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 में अपने अभियान की शुरुआत 24 मार्च को गुजरात टाइटंस के खिलाफ करेगा। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

डेब्यू सीजन में हैरी केन ने रचा इतिहास, तोड़ा 60 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।
हैरी केन ने डेब्यू सीजन में सर्वाधिक गोल करने का 60 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि जमाल मुसियाला ने दो बार गोल किया जिससे बायर्न म्यूनिख ने डार्मस्टेड में 5-2 से जीत दर्ज की। स्पर्स से आने के बाद से 26 लीग खेलों में 31 गोल के साथ, केन ने जर्मन दिग्गज उवे सीलर को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1963-64 में हैम्बर्ग के लिए 30 गोल किए थे। मुसियाला ने भी टीम की इस जीत में सहायता की, जिससे बायर्न की बुंडेसलीगा खिताब की रक्षा करने की उम्मीदें एक बार फिर जीवित हो गई। बायर्न फिलहाल बायर लीवरकुसेन से सात अंक पीछे हैं।

बायर्न के कप्तान मैनुएल नेउर ने कहा, हम इसमें बने

हुए हैं। हमने कुछ मौके पाने के लिए कड़ी मेहनत की और हमने उन्हें हासिल कर लिया। हालांकि, वह डार्मस्टेड के खिलाफ उनकी टीम के खाते में आए दो गोल से निराश दिखे। गोलकीपर ने कहा, हम सभी को इस पर काम करने की जरूरत है।

दोनों टीमों के बीच जारी इस मैच में डार्मस्टेड ने 28 मिनट के खेल के बाद बायर्न को चौंका दिया था। टिम स्कार्के ने अपनी टीम को जर्मन चैंपियन के खिलाफ एक अविश्वसनीय उलटफेर की उम्मीद दिला दी थी। हालांकि, केन ने बायर्न को हाफ टाइम से पहले ही बढ़त दिला दी, मुसियाला के 36वें मिनट के गोल में मदद की और फिर अपना एक गोल किया। दूसरे हाफ के बीच में मुसियाला ने एक और गोल किया। सर्ज ग्नब्री ने बेंच से बाहर आने के तुरंत बाद गोल करके जीत पक्की कर दी। बायर्न के मैथिस टेल और डार्मस्टेड के ऑस्कर विल्हेमसन दोनों ने स्टॉपेज टाइम में गोल किया।

ट्रॉलर्स पर भड़की धनश्री, कहा उनकी आधारहीन टिप्पणी से प्रभावित हो रहा मेरा परिवार

नई दिल्ली ।
क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पत्नी धनश्री वर्मा ने सोशल मीडिया पर इन लोगों को करारा जवाब दिया है। जो उनके और कोरियोग्राफर प्रतीक उटेकर की एक तस्वीर के कारण उनपर टिप्पणी कर रहे थे। इसी को लेकर धनश्री ने एक वीडियो जारी कर कहा कि ऐसे लोगों को समझना चाहिये की किसी की निजी जिंदगी पर उन्हें बिना जाने इस प्रकार की बातें नहीं कहनी चाहिये। साथ ही कहा कि इससे मेरे परिवार पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इससे पहले प्रतीक और धनश्री की तस्वीर वायरल होने पर सोशल मीडिया पर खूब कमेंट आए थे। यह तस्वीर डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा के सीजन 11 की थी। इस दौरान वहां चहल भी मौजूद थे। धनश्री ने इसके बाद सोशल मीडिया छोड़ दिया था पर अब वह वापस लौट गयी हैं। उन्होंने कहा कि अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को फिर से शुरू करने से पहले, मुझे लगा कि मुझे कुछ चीजें साझा करने की ज़रूरत है, इसलिए मैं ये बातें कह रही हूं। किसी के बारे में अपने मन से राय नहीं बनानी चाहिये। मैं अपने जीवन में कभी भी ट्रोल या मीम्स से प्रभावित नहीं हुई पर हाल के

ट्रोल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता था क्योंकि इस बार मेरे परिवार पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा था।

धनश्री ने कहा कि मंच से दूर रहना शांतिपूर्ण है। आप सभी को सोशल मीडिया पर अपने दिल और चरित्र को व्यक्त करने की आजादी है, इसलिए आप हमारी और हमारे परिवारों की भावनाओं को नजरअंदाज करना भूल जाते हैं। अगर हम सोशल मीडिया को इतना नकारात्मक बना देते हैं, तो हम केवल बड़े पैमाने पर नफरत फैला रहे हैं। अपने पेशे को देखते हुए मैं सोशल मीडिया से ज्यादा समय तक दूर नहीं रह सकतीं, लेकिन उन्होंने कुछ भी अपमानजनक या आहत करने वाला पोस्ट करने से पहले संवेदनशीलता बरतने का अनुरोध किया।

कैफ ने वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में हार के लिए रोहित-द्रविड़ को जिम्मेदार ठहराया

नई दिल्ली ।
वर्ल्ड कप 2023 को भारतीय क्रिकेट फैंस कभी नहीं भूल सकते। 19 नवंबर 2023, वो तारीख है जब भारत के पास मौका था वर्ल्ड चैंपियन बनने का, लेकिन टीम इंडिया के लिए एक खराब दिन ने करोड़ों भारतीय फैंस का दिल तोड़ दिया। इस हार का दुख अभी तक फैंस के जहन में ताजा ही है। वहीं, अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने एक बड़ा खुलासा किया है, जिसने क्रिकेट जगत में नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। कैफ ने आरोप लगाया है कि भारत ने अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप फाइनल की पिच से छेड़छाड़ की। पूर्व बल्लेबाज के इस सनसनीखेज दावे ने आईपीएल 2024 से पहले भारतीय क्रिकेट टीम पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इतना ही नहीं मोहम्मद कैफ ने मेन इन ब्लू की छह विकेट से हार के लिए कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को भी जिम्मेदार ठहराया। कैफ ने द

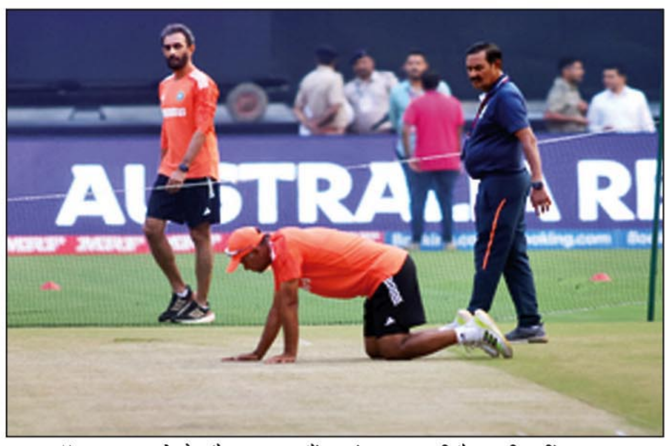

लल्लनटॉप पर एक शो के दौरान कहा, मैं वहां तीन दिनों के लिए था। रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ ने फाइनल से पहले तीन दिनों तक हर दिन पिच का निरीक्षण किया। वे हर दिन एक घंटे तक पिच के पास खड़े रहे। मैंने देखा कि पिच अपना रंग बदल रही है। पानी नहीं डाला जा रहा था। पिच पर कोई घास नहीं थी। भारत ऑस्ट्रेलिया को धीमी पिच देना चाहता था। यह सच है, भले ही लोग इस पर विश्वास नहीं करना चाहें। ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया के पास पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क हैं, इसलिए भारत उनके सामने धीमी पिच रखना चाहता था और यह हमारी गलती थी। कई लोग कहते हैं कि क्यूरेटर अपना काम करते हैं और हम उन्हें प्रभावित नहीं करते हैं, हालांकि यह सब बकवास बाते हैं। जब आप पिच के चारों ओर घूम रहे हैं। आपको केवल दो बातें कहनी हैं- कृपया पानी न डालें, बस घास कम करें। ऐसा होता है। यह सच है और यह किया जाना चाहिए। आप घर पर खेल रहे हैं। बस हमने इसे थोड़ा ज़्यादा कर दिया। भारत लगातार 10 मैच जीतकर वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में पहुंचा था। टूर्नामेंट में भारत की फॉर्म देखकर हर कोई वर्ल्ड कप के सपने संजोए... बस अंतिम नतीजों का इंतजार कर रहा था, लेकिन वक्त ने ऐसी करवट ली।

रोहित के पास इस बार खुलकर बल्लेबाजी का मौका : फिंच

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर आरोन फिंच ने कहा है कि इस बार आईपीएल में मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के पास खुलकर खेलने का अवसर है जिसका उन्हें लाभ उठाना चाहिये। फिंच के अनुसार इस बार रोहित कप्तान नहीं बल्कि एक बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे जिसका लाभ मुम्बई को होगा क्योंकि वह कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं होने से आधिक आजादी से खेल सकेंगे। इससे पहले के सत्र तक वह कप्तान थे जिसके कारण उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना पड़ता था। रोहित की कप्तानी में मुम्बई ने पांच बार आईपीएल खिताब जीता है पर इस बार उनकी जगह हार्दिक पंड्या को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। फिंच ने कहा कि रोहित के लिए अब एकमात्र चुनौती मैदान पर उतरकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत देना है। भारतीय टीम के साथ ही वह मुम्बई के लिए पहले भी ऐसा करते रहे हैं। इसलिए इसमें उन्हें समस्या नहीं होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि जब आप टीम की कप्तानी कर रहे होते हो तो आप जहां भी जाते हो टीम के कप्तान होते हो। आप इसके बारे में बहुत अधिक सोच सकते हो पर अब वह अपने तरीके से खुलकर खेल सकते हैं जिसका सीधा लाभ उन्हें और मुंबई इंडियंस को होगा। वहीं फिंच ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम भी बेहतर प्रदर्शन करेगी क्योंकि उसके पास ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस बार केकेआर की टीम पिछली बार की तुलना में अच्छा प्रदर्शन करेगी। इसका कारण ये है कि स्टार्क जैसे गेंदबाज के होने से किसी भी टीम की गेंदबाजी बेहतर हो जाती है। स्टार्क की गेंदबाजी का सामना करना किसी भी विरोध टीम के लिए आसान नहीं रहता। वह पारी की शुरुआत में ही विकेट निकालकर विरोधी टीम पर दबाव बना सकते हैं।

किशोर एथलीट्स के लिए स्पोर्ट्स ड्रिंक से अच्छा है पानी

वाशिंगटन एजेंसी। वैज्ञानिकों के अनुसार किशोर एथलीट्स के लिए स्पोर्ट्स ड्रिंक की अपेक्षा पानी पीना ज्यादा बेहतर है। विशेषज्ञों के मुताबिक ऊर्जा वाले पेय पदार्थ रक्तचाप बढ़ा सकते हैं और यह बच्चों व किशोरों में हृदय संबंधी समस्याओं की वजह बन सकता है। कई लोग खेलों के साथ स्पोर्ट्स ड्रिंक्स को जोडते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वह पेशेवर खिलाड़ियों को भी ऐसा करते देखते हैं। हालांकि शौकिया खेलने वाले लोग उतनी प्रबलता से नहीं खेलते हैं या उतने देर तक नहीं खेलते हैं जिससे उन्हें अतिरिक्त शर्करा और नमक की जरूरत पड़े। बिना शारीरिक गतिविधियों के अगर किशोर स्पोर्ट्स ड्रिंक्स पीने पर इससे वजन बढ़ने और दांत गिरने का भी खतरा रहता है।

अमेरिका में पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के मैथ्यू सिल्वीस ने बताया, कसरत के दौरान आप जितना खोते हैं, उसकी भरपाई स्पोटर्स ड्रिंक्स कर सकता है। मगर इसके लिए आपको एक घंटे में 45 मिनट से ज्यादा कसरत करना होता है, तब आप स्पोटर्स ड्रिंक्स के बारे में सोच सकते हैं। लेकिन बहुत से बच्चे इतनी अधिक कसरत नहीं करते हैं ।

अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि बच्चों में बढ़ते मोटापे को देखते हुए उनके लिए कसरत करने के बाद स्पोर्ट्स ड्रिंक्स की सिफारिश नहीं की जा सकती। पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के केटी गलोयर ने बताया, बच्चों को इस ड्रिंक का उपयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि शरीर में नमी का स्तर बनाए रखने के लिए पानी सबसे अच्छा उपाय है।

साफ रखें मेकअप ब्रश...

मेकअप के जो ब्रश हमें खूबसूरत दिखाने में जादुई काम करते हैं, उन्हें साफ-सुथरा रखना हमारी जिमेदारी है। खुद अपने लिए इस काम को अंजाम दें वरना गंदे ब्रश इंफेशन का शिकार बना सकते हैं। मेकअप ब्रश साफ करना बेहद बोरिंग काम साबित हो सकता है। लेकिन फिर भी यह काम जरूर करें। इन्हें साफ नहीं करने का मतलब है स्किन पर बैटीरिया जमा कर लेना और फिर ऐने का शिकार होना। मेकअप ब्रश साफ करने के लिए बाजार में कुछ नॉन टॉसिक एसेसरीज मिलती हैं जो ब्रश के हिसाब से अलग-अलग टेसचर की होती हैं। आई मेकअप ब्रश के लिए अलग, लिपस्टिक ब्रश के लिए अलग। ब्रश साफ करने के लिए इनका इस्तेमाल करें। सबसे पहले गुनगुने पानी से ब्रश के फायबर साफ कर लें, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि ब्रश का मुंह नीचे की तरफ ही रहे। एक माइल्ड बेबी शैंपू से ब्रश को बेहद हल्के हाथ से साफ करें। इसमें झाग आ जाने दें। डीप लीनिंग के लिए ब्रश को हथेली पर स्वर्ल करते हुए साफ करें। खास ब्रशिंग ग्लव के ऊपर स्वर्ल कर सकते हैं। अब गुनगुने पानी के साथ ब्रश के अंदर से सारा लीन्सर धो कर निकाल लें। इसके लिए रनिंग वॉटर सबसे अच्छा है। साफ पानी के आने तक रिंस करते रहें। एक बार साफ पानी आने लग जाए तो अंगुलियों से ब्रिसल्स को दोबारा शेप में करने के बाद ब्रश को सूखने के लिए रख दें। ब्रश को इस तरह सुखाएं कि इसके ब्रिसल्स हवा में हों। इस तरह फायबर जल्दी सूख जाता है, `योंकि हवा इस पर चारों तरफ से लगती है। इसके अलावा जहां तक हो सके ब्रश को सूखने के लिए जार में सीधा नहीं रखना चाहिए, नहीं तो पानी ब्रश के अंदर जाकर इसे खराब भी कर सकता है।

झाइयों से पाएं निजात...

झाइयां सुंदर चेहरे पर चांद में दाग की तरह होती हैं। झाइयों के अनेक कारण हो सकते हैं। इसलिए झाइयों का उपचार करने से पहले उन कारणों की जांच करना बहुत जरूरी होता है। आंखों के इर्द-गिर्द या फिर चेहरे पर झाइयां पूरी पर्सनैलिटी को खराब करके रख देती हैं। डॉटर्स के अनुसार चेहरे पर पड़ने वाली झाइयों का कारण पेट में गड़बड़ी या हार्मोंस में असंतुलन होना हो सकता है। कुछ ऐसी झाइयां होती हैं, जो समय के साथ ठीक हो जाती हैं लेकिन कुछ झाइयां खुद ठीक नहीं होती। अगर आप भी चेहरे की झाइयों से निजात पाना चाहती हैं तो तेज धूप में निकलने से बचें और छतरी का इस्तेमाल करें। साथ ही अपनी आंखों को धूप से बचा कर रखें। पूरी नींद लें `योंकि आधी-अधूरी नींद लेना भी झाइयों का कारण बन सकता है। समय से सोएं और समय पर उठें। चेहरे पर स्क्रब करें। स्क्रब के लिए जौ के आटे में दही, लेमन जूस और मिंट जूस मिलाकर चेहरे पर 2 से 3 मिनट तक मलें और लगभग 5 मिनट के बाद चेहरा धो लें। चेहरे पर नींबू, हल्दी और बेसन का पेस्ट बनाकर लगाएं। इससे झाइयां दूर होंगी। बाहर कहीं जाते समय चेहरे पर सनस्क्रीन लोशन जरूर लगाएं। रात को सोने से पहले चेहरे को जरूर धोएं, ऐसा करने से झाइयां भी दूर होंगी और चेहरे की गंदगी भी दूर होगी। सेब का गूदा या फिर पपीते के पेस्ट को चेहरे पर मलने से भी झाइयां दूर होती हैं।

वे ऑफ सक्सेस

ज्यादा रुपया कैसे कमाएं...

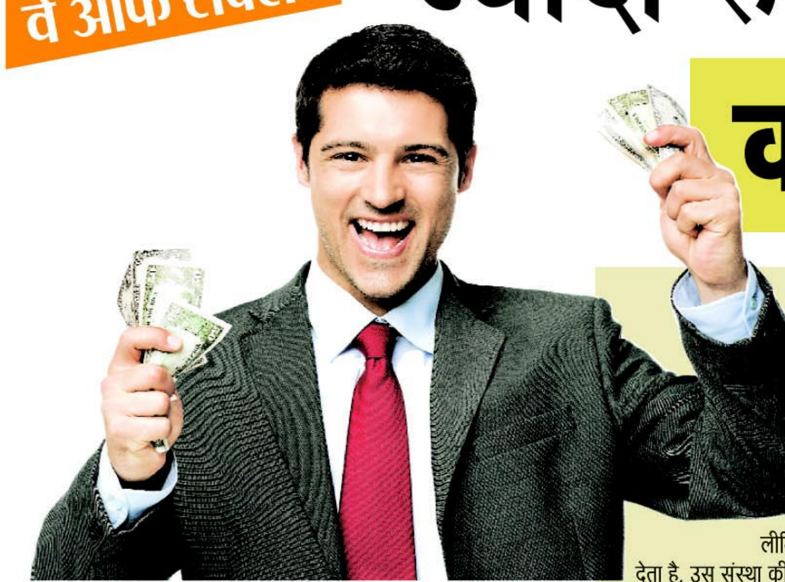

अपने जीवन में प्रतिदिन हम अपनी सेवाएं दूसरों को बेचते हैं और बेच कर रुपया पैदा करते हैं। हममें से कोई अपना विचार, कोई योजनाएं, शेंतियां उत्साह, प्रेरणाएं, शिक्षाएं, श्रम -कुछ न कुछ रोज बेच रहे हैं। खरीदार है जनता, जिसे हमारी सेवाओं की आवश्यकता पड़ती रहती है। खेद का विषय है कि हम अपनी योग्यताओं की वृद्धि नहीं करते इसीलिए हमें समाज में अपनी शेंतियां बेचकर रुपया कमाते हुए तकलीफ होती है। हम अच्छे विक्रेता नहीं हैं, न हमारे पास बेचने के लिए अच्छा माल ही है। जब तक मनुष्य विक्रेता के गुण, ग्राहक का मनोविज्ञान अच्छी तरह न समझ ले, वह जीवन में ज्यादा रुपया नहीं कमा सकता। विक्रेता के गुणों की हम, आप, सभी को जीवन के प्रत्येक विभाग में आवश्यकता है।

व्यापार के गुर जानें

संभव है आत्म परीक्षा द्वारा आपको यह प्रतीत हो कि आप में एक कुशल व्यापारी के गुण हैं। उनके विकास के लिए व्यापारियों के यहां कुछ दिन मुफ्त काम कीजिए, अनुभव ग्रहण कीजिए। उनके गुर मालूम कीजिए। देखिए कि वे किस सावधानी से एक-एक पैसे का हिसाब रखते हैं, प्रत्येक खर्च पर खूब सोचते विचारते और बही में लिखते हैं। बिना बजट के एक पाई व्यय नहीं करते। व्यापार में सतर्कता, मितव्ययिता, जागरुकता बड़े आवश्यक गुण हैं। फिजूलखर्ची से या उधार देने से आपका मूलधन भी नष्ट हो सकता है। अपना खर्चा कम से कम रखिए। आपको जो लाभ हो, उसी को व्यय करने का अधिकार आपको है। प्रत्येक ग्राहक को संतुष्ट करना आपका उद्देश्य होना चाहिए। यह सदैव ध्यान रखिए कि आप दूसरे व्यक्ति को कुछ न कुछ सेवा बेच रहे हैं। उसके दृष्टिकोण से तथ्य को देखिए। ग्राहक वहीं जाएगा, जहां उसे अधिकतम लाभ होगा।

नौकरी कैसे मिले?

यदि आप नौकरी की तलाश में हैं, तो एक काम कीजिए। किसी एम्पलॉयर से नौकरी देने के लिए मिन्नत या खुशामद न कीजिये, विनती कर दूसरे के हृदय में दया उकसा कर आप नौकरी नहीं पा सकेंगे। यदि एम्पलॉयर को किसी आदमी की नितांत आवश्यकता है और उसे कोई नहीं मिल पा रहा है, तभी वह आपको नौकरी देगा। अत: नौकरी उपहार स्वरूप न लीजिए। अपनी सेवाएं उसे बेचिए जो उसके सबसे अधिक पैसे देता है, उस संस्था की तलाश में रहिये जो आपको अपनी योग्यताओं का ऊंचे से ऊंचा मूल्य चुका सके।

नौकरी छूट जाए तो

यदि आपकी नौकरी छूट भी जाए, तो भयभीत न हों, इधर उधर भीख की तरह नौकरी मत मांगिये। आपके पास अनुभव है। आप उस अनुभव को बेचने के लिए उतावले न बनें। कुछ ठहरिये और सोचिए। आप यह सोचिए कि आपको अपनी पुरानी नौकरी से `यों निकाला गया? शायद आप कटौती में आ गए हैं? या आप पुराने पड़ गए हैं? आप समय के साथ अपनी योग्यताएं न बढ़ा सके और पीछे रह गए? जब हमारी मशीन पुरानी हो जाती है, तो हम उसे कबाड़ी को बेच देते हैं। हम कहते हैं कि वह खर्चा अधिक करती है, उत्पाे उससे कम होती है। संभव है यही बात आपके साथ हो? आप चाहें तो अपने व्येंतित्व में कुछ अनुभव, कुछ शिक्षा प्राप्त कर उसे अप-टू-डेट बना सकते हैं। आप अपनी योग्यता ऐसी ठोस कर सकते हैं कि हर कोई आपकी सेवाएं खरीदने को प्रस्तुत रहेगा।

खुद को इस तरह ढालें

यदि मनुष्य अवसर और परिस्थिति के साथ अपने आप को ढाल ले, या अवसर को अपने पर फिट बैठा ले, तो वह उससे अवश्य लाभ उठा सकता है। हमें अपनी कटु आलोचना खरी और तीखी आलोचना कर व्येंतित्व की कमजोरियां मालूम करने और उन्हें दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

कितना फायदेमंद है रात को तरबूज खाना.

गर्मियां आ चुकी हैं, ऐसे में जरूरत है खुद को हाइड्रेटेड और तरोताज़ा रखने की. इस मौसम में 1 कप कटा हुआ तरबूज मिल जाए, तो ?या कहने. ये न केवल हेल्?दी होता है बल्कि टेस्?टी भी बहुत लगता है. तरबूज हाई लाइकोपीन का दावा करने वाले फलों में से एक है, खासतौर पर तक जब आप अपना वजन कम करना चाहते हों. कई पोषक तत्वों से भरपूर तरबूज एक बेहतरीन स्?नैक ऑप्?शन है. यह फल आपको दिल के रोगों से दूर रखने के साथ-साथ आपकी किडनी को हेल्?दी बनाता है और आपके बीपी को कंट्रोल रखता है. अगर आपको कुछ मीठा खाने का मन करे तो तरबूज ट्राई किया जा सकता है.

विशेषज्ञ कहते हैं कि तरबूज को रात में नहीं खाना चाहिए. तरबूज में थोड़ा सा एसिड पाया जाता है, ऐसे में अगर इसे रात में खाया जाए तो हो सकता है कि इसे डाइजेस्?ट करने में आपको समस्?या हो. तरबूज खाने का सबसे सही समय दोपहर 12 से 1 बजे के बीच का होता है.

विशेषज्ञों के अनुसार, रात में तरबूज खाने से आपको नि?न प्रकार की समस्?याओं का सामना करना पड़ सकता है-

रात में तरबूज खाने से इसे हजम करना मुश्किल होता है. रात में इसे खाने से आपको इरिटेबल आंत्र सिंड्रोम जैसी समस्?याओं का सामना करना पड़ सकता है. ये भी हो सकता है कि अगले दिन आपका पेट खराब हो जाए. दिन के मुकाबले रात को हमारा डाइजेस्टिव सिस्?टम काफी धीमी गति से काम करता है, इसलिए रात के समय शक्कर और अेलीय खाद्य पदार्थों से दूर रहने की सिफारिश की जाती है.

तरबूज में प्राकृतिक रूप से चीनी पाई जाती है. यहां चीनी से हमारा मतलब मिठास से है. ऐसे में हो सकता है कि हमेशा रात को इसे खाने से आपको वजन बढ़ने लगे. हम सब जानते हैं कि तरबूज में भारी मात्रा में पानी होता है. ऐसे में हो सकता है कि रात के समय इसे खाने के बाद आपको बार-बार टॉयलेट जाना पड़े और आपकी नींद पूरी न हो सके.

आहार

वजन घटाने में फायदेमंद साबित होंगी ये डाइट

आप इन दिनों जमकर ऐसरसाइज कर रहे हैं. रोज वॉक पर भी जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आपके वेट लॉस नहीं हो रहा है. इसका कारण है आपकी डाइट. दरअसल अकसर लोग अपना वजन कम करने के लिए ढेरों प्रयास करते हैं लेकिन अपनी डाइट पर कंट्रोल नहीं कर पाते. फास्ट फूड, तला भूना खाना कम ने करने के कारण आपका वजन उेमीद के मुताबिक कम नहीं हो पाता. अगर आप भी इन दिनों खुद को शेप में लाने की जमकर कोशिशें कर रहे हैं तो यहां पेश हैं कुछ ऐसी रेसिपी, जो आपके काम जरूर आएंगी-

बीन्स और तिल की सलाद : बीन्स को तिरछा 2 बराबर भागों में काट लें. अब इनमें नमक और लाल मिर्च डालकर भाप में पकाएं. अब तेल में तिल डालकर भूनें. इसके बाद इसमें स्टीड बीन्स भी डालकर भून लें. बीन्स और तिल की सलाद तैयार है.

ढोकला: बेसन, नींबू का रस, चीनी और हल्दी का मिश्रण तैयार करें. अब काला नमक, बेकिंग पाउडर पानी में मिलाकर इसमें डाल दें. इस मिश्रण को 15-20 मिनट तक भांप में पका लें. अब सरसों, कड़ी पेाा और मिर्च का तड़का पके ढोकले पर छिड़क दें और परोसें.

पौष्टिक रोटी: गेंहू के आटे और बेसन को छान लें. उबले आलू को मैश कर लें. अब इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, पालक, गाजर, दही और नमक मिलकार रोटी में भरकर सेक लें. गर्मागर्म रोटी दही या चटनी के साथ सर्व करें.

कुकीज: चीनी, मेखन, दूध मिलाकर 10 मिनट तक पका लें. अब अलग से जई के आटे में नारियल, मूंगफली, मेखन और वेनिला एसेन्स मिलाएं. दोनों मिश्रण आपस में मिला लें. मिश्रण के गोल हिस्से बनाकर ठंडा होने पर परोसें.

चना चाट: एक बड़े बाउल में चने, टमाटर, प्याज, उबले हुए आलू, हरी मिर्च और उबली हुई मटर मिला लें. अब इसमें नमक, लाल मिर्च और चाट मसाला भी डाल दें. इसमें अनार के दाने, नींबू का रस, पुदीने की चटनी और इमली की चटनी डालकर धनिये से सजाकर सर्व करें.

अंकुरित चाट: आधा कप कटे हुए प्याज, एक कप कटे टमाटर, एक कटी हुई हरी मिर्च, 1 कप अंकुरित दाल को आपस में मिला लें. अब इसमें नमक और नींबू का रस मिलाकर परोसे और मजा लें हेल्?दी डाइट का.

ब्रेड उपमा: एक पेन में तेल गर्म करें. अब इसमें जीरा, 2 कटी हुई हरी मिर्च, 1 कटा हुआ प्याज, 1 कटा हुआ टमाटर, नमक, 2 कप ब्रेड के टुकड़े डालकर 2 मिनट तक पकाएं. अब हरा धनिया और हरी मिर्च के साथ गार्निश कर परोसें.

दूध वड़ा: दूध में चावल का आटा इस तरह मिलाएं कि उसमें गांठ ना आए. अब पेन में इसे धीमी आग पर पकाएं. जब यह मिश्रण गाढ़ा हो जाए तो आग से उतारकर ठंडा करें. अब हाथ पर थोड़ा-सा तेल लगाकर मिश्रण के छोटे-छोटे पेड़े बनाएं. घी गर्म कर इन पेडों को गुलाबी तल लें. ऊपर से पिसी चीनी डाल कर परोसें.

ब्रोकली पराठा: हल्दी पावडर, गर्म मसाला और हरी मिर्च को मिलाकर पेस्ट बना लें. अब एक कटोरी में आटा, कटे प्याज, कटी ब्रोकली, लहसुन और नमक मिला लें. अब इसमें हल्दी, गर्म मासाला और हरी मिर्च मिलाकर पानी की मदद से आटे की तरह गूंथ लें. अब इसे चपाती की तरह बेलें और पराठे की तरह पका लें.

शिमला मिर्च,मशरूम फ्राई: बारीक कटे प्याज, अदरक और हरी मिर्च को तेल में भून लें. अब इसमें लंबी कटी शिमला मिर्च और मशरूम डालकर पकाएं. अब इसमें लाल मिर्च डालकर 2 मिनट तक पकाएं. इसमें टमाटर की सॉस डालकर 2 मिनट और पकाने के बाद गर्मागर्म परोसें.

गर्मियों में नहीं होगी पिंपल्स की समस्या

अगर अपनाएंगे ये नायाब नुस्खे

गर्मियों में ज्यादातर लोगों को पिंपल्स की समस्या का सामना करना पड़ता है. इस मौसम में अत्याधिक धूल और मिट्टी उड़ने के कारण या ज्यादा ऑयली और मसाले वाला खाना खाने से स्किन पर पिंपल्स होने लगते हैं. इसके अलावा ये जैनेटिक भी होते हैं. रोमछिद्र के बंद हो जाने से भी चेहरे पर दाग-धेबे पड़ जाते हैं या पिंपल हो जाते हैं. आप चाहते हैं कि गर्मियों में भी आपकी स्किन खिलीखिली रहे और आपको मुहांसों की समस्या का सामना न करना पड़े, तो इन टिप्स को ट्राई करें.

-मार्केट में आजकल कई तरह के एंटी- पिंपल `यूटी प्रोडेट मौजूद हैं. आप इनके इस्तेमाल से पिंपल्स की समस्या से निजात पा सकते हैं.

» अगर आप जैल वाले फेसवॉश से मुंह धो रहे हैं तो इसके बाद टोनर जरूर लगाएं और उसके बाद जैल वाला मॉश्चराइजर भी लगाएं.

» अगर चेहरे पर पिंपल्स हो गए हैं तो इन्हें हाथ से कभी मसले नहीं. इससे चेहरे पर सूजन हो सकती है.

» गर्मियों में स्किन को ठंडक देने के लिए मुल्तानी मिट्टी लगाएं. इसके अलावा शहद लगाकर भी पिंपल्स से बचा जा सकता है.

» समय-समय पर चेहरे की `लींजिंग, मॉश्चराइजिंग और टोनिंग करवाते रहें. गंदे हाथों से कभी भी अपना चेहरा न धोएं.

» पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए आपको अपनी डाइट पर ध्यान देना होगा. जंक फूड से परहेज करें. इसके अलावा ऑयली खाना खाना और सॉट ड्रिंक स्किन को तैलीय बनाते हैं. हेल्दी स्किन के लिए एक दिन में कम से कम 4 लीटर पानी जरूर पिएं.

» जिन लोगों का पेट खराब रहता है उन्हें भी अकसर पिंपल्स की समस्या का सामना करना पड़ता है. इसलिए अपना पेट हमेशा साफ रखें. इसके लिए सुबह उठकर एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीबू निचोड़कर पिएं. अपनी डाइट में फ्रेश फल-सेंजियां, सलाद, अंकुरित दालें, अनाज और दही जरूर शामिल करें.

» जिन लोगों की स्किन ऑयली होती है, उन्हें अकसर पिंपल्स का सामना करना पड़ता है. इससे छुटकारा पाने के लिए चेहरे की `लींजिंग के बाद एस्ट्रिजेंट का इस्तेमाल करें. इसके लिए रूई पर एस्ट्रिजेंट लगा लें. अब इससे अपना चेहरा साफ करें. आपको बता दें कि इसका इस्तेमाल चेहरे से धूल-मिट्टी और तेल हटाने के लिए किया जाता है.

रेसिपी

मूंग सूप

सामग्री

1/2 कप मूंग , 8 घंट के लिए भिगोकर छानी हुई, 1 टी-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 4-5 कड़ी पत्ता, नमक स्वादअनुसार, 2 टी-स्पून नींबू का रस, **सजाने के लिए**: धनिया का पत्ता

विधि

मूंग और 3 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में मिलाकर, 3 सिटी के लिए प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। पानी छाने नहीं। हेन्ड ब्लेन्डर का प्रयोग कर मूंग को पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, हरी मिर्च और कड़ी पत्ता डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। पीसे हुए मूंग का मिश्रण, नमक और 1 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला ले और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 4-5 मिनट के लिए पका लें। नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। धनिया के पत्ते से सजाकर गरमा गरम परोसें।

त्रेवटी दाल

सामग्री

1/4 कप चना दाल, 1/4 कप तुवर दाल, 1/4 कप पीली मूंग दाल, 2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 2 लौंग, 1 तेज़पत्ता, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ों में तोड़ी हुई, 1/4 टी-स्पून हींग, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, **सजाने के लिए**: 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, **परोसने के लिए**: भाखरी, लहसुन की चटनी

विधि

दालों को धोकर, 11/2 कप पानी मिलाकर, 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और ज़ीरा, लौंग, तेज़पत्ता, लाल मिर्च और हींग डालें। जब बीज चटकने लगे, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। पकी हुई दाल, हल्दी पाउडर, नींबू का रस, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। उबाल लाकर, 5-7 मिनट के लिए धीमी आंच पर, बिच मे एक बार हिलाते हुए उबाल लें। धनिया से सजाकर, भाखरी और लहसुन की चटनी के साथ गरमा गरम परोसें।

वास्तु टीप्स

फिटकरी से होता है धनलाभ, चमकता है भाग्य

फिटकरी के आमतौर पर सभी के घर में पाई जाती है। वास्तु के अनुसार माना जाता है कि यह घर में नकारात्मक ऊर्जा को बाहर कर घर में सकारात्मक ऊर्जा लाती है और घर में सभी प्रकार के वास्तु दोषों को दूर करती है। आज हम आपको बता रहे हैं ऐसे ही वास्तु के उपायों के बारे में।

» अगर आपको व्यवसाय में लाभ नहीं हो रहा है तो आप फिटकरी को लाल कपड़े में बांधकर इसे अपने घर, ऑफिस में लटका दें। इससे यह आपके घर और ऑफिस में आने वाली सभी नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर आपको धन लाभ तो कराएगी साथ ही आपके घर में खुशियां भी आएंगी।

» वास्तु के अनुसार अगर आपके घर में परिवार के सदस्यों के बीच लड़ाइयां होती हैं और घर में सुख शांति नहीं है तो घर में एक कटोरी में फिटकरी बॉथरुम में एक कटोरी में पानी भरकर रख दें। इससे आपके घर का वास्तु दोष दूर होगा और घर में सुख शांति आएगी।

» अगर आपको सोते समय बुरे सपने आते हैं तो वास्तु के अनुसार सोते समय पास में फिटकरी रखकर सोएं इससे आपको किसी प्रकार के बुरे सपने नहीं आएंगे।

अजवाइन खाने से घट जाता है मोटापा

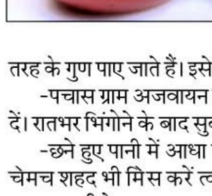

अजवाइन बहुत फायदेमंद है। इसका इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है। आयुर्वेद के चिकित्सक डॉ. सत्य प्रकाश मिश्र के मुताबिक जो लोग मोटापे से परेशान हैं, उन्हें अजवाइन का सेवन जरूर करना चाहिए। इससे मोटापा धीरे-धीरे कम होने लगता है। ठंड से बचने के लिए अजवाइन का प्रयोग काफी फायदेमंद होता है। अजवाइन में कई तरह के गुण पाए जाते हैं। इसे मसाले में भी प्रयोग किया जाता है।

-पचास ग्राम अजवायन लेकर 1 गिलास पानी में रातभर के लिए भिगो कर छोड़ दें। रातभर भिंगोने के बाद सुबह इस पानी को छान कर पीएं।

-छने हुए पानी में आधा चेमच नींबू निचोड़ कर डाल लीजिए साथ ही इसमें 1 चेमच शहद भी मिस करें त्वचा पर लगाएं। त्वचा संबंधी बीमार दूर होगी।

- खाली पेट अजवाइन का पानी पीने से केज और गैस से राहत मिलती है।

-अजवाइन खाने से भूख भी लगती है तथा पाचन क्रिया ठीक से काम करती है।

-अजवायन का पानी पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है जिसकी वजह से कार्ब तथा फैट बर्न होने की प्रक्रिया शुरु हो जाती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**